RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | सोमवार , 25 मई 2026 | वर्षः 04, अंकः 67 पृष्ठः 08, मूल्यः 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत संघर्ष की बजाय कूटनीति का समर्थकः जयशंकर

भारत संसाधनों और बाजार हिस्सेदारी को हथियार की तरह इस्तेमाल किए जाने के खिलाफः एस जयशंकर

नई दिल्ली

भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि वह संघर्ष के बजाय बातचीत और कूटनीति का समर्थक है। भारत सुरक्षित और निर्बाध समुद्री व्यापार, अंतरराष्ट्रीय कानूनों के सम्मान, विश्वसनीय सप्लाई चेन और वैश्विक आर्थिक स्थिरता पर जोर देता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत संसाधनों और बाजार हिस्सेदारी को हथियार की तरह इस्तेमाल किए जाने के खिलाफ है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनके अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो के बीच रविवार को प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। इसमें भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। इसके बाद संयुक्त प्रेस वार्ता में जयशंकर ने कहा कि भारत अपनी 140 अरब की आबादी की ऊर्जा जरूरत के प्रति समर्पित है और विविध स्रोतों से किफायती ईंधन खरीदने का पक्षधर है। साथ ही वैश्विक संघर्षों के बीच रक्षा क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में मेक इन इंडिया की नीति को विशेष महत्व देता है। जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच सहयोग लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी पक्ष की भारत के साथ वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। दोनों विदेश मंत्रियों के बीच पश्चिम एशिया, पूर्वी एशिया और खाड़ी क्षेत्र की स्थिति पर विचार-विमर्श हुआ है। जयशंकर ने दोनों देशों के बीच जल्द अंतरिम व्यापार समझौते की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे आगे व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते का मार्ग प्रशस्त हो सके। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच न्यूक्लियर सहयोग, दुर्लभ खनिज और एआई क्षेत्र में भी सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। विदेश मंत्री एस. पिछले एक वर्ष में अमेरिका से भारत के ऊर्जा आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

ऊर्जा सुरक्षा के लिए विविध स्रोत जरूरी हैं: एस जयशंकर

जयशंकर ने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा के लिए विविध स्रोत जरूरी हैं और अमेरिका भारत के लिए विश्वसनीय ऊर्जा साझेदार बनकर उभरा है। जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच लोगों के आपसी संबंध साझेदारी की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने वैध यात्रियों के लिए वीजा प्रक्रिया आसान बनाए रखने पर जोर दिया। जयशंकर ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति दोहराई और 26/11 हमले के प्रमुख साजिशकर्ता के प्रत्यर्पण पर अमेरिका के सहयोग की सराहना की। जयशंकर ने कहा कि भारत अमेरिका, इजराइल, ईरान और खाड़ी देशों के साथ मजबूत संबंध बनाए हुए है। भारत क्षेत्रीय संबंधों को जीरो-सम की दृष्टि से नहीं देखता और सभी साझेदारियों को संतुलित तरीके से आगे बढ़ाना चाहता है। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि भारत-अमेरिका संबंधों की गति बरकरार है।

भारत अमेरिका का महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार हैः रूबियो

रूबियो ने स्पष्ट किया कि अमेरिका का किसी अन्य देश के साथ संबंध भारत के साथ उसकी रणनीतिक साझेदारी की कीमत पर नहीं है।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि भारत उन्नत तकनीकी क्षमताओं वाला महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है। दोनों लोकतांत्रिक देश 21वीं सदी की अत्याधुनिक तकनीकों, वैश्विक नवाचार और साझा राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। दिल्ली में अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि हॉर्मूज जलडमरूमध्य और ईरान को लेकर जल्द ही कोई शुभ समाचार आने वाला है।

एनएसए अजीत डोभाल से मिले अमेरिकी विदेश मंत्री

नई दिल्ली। अमेरिका के विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मार्को रूबियो ने रविवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच रक्षा, सुरक्षा और रणनीतिक प्रौद्योगिकी सहयोग पर विस्तृत चर्चा हुई। वार्ता में विशेष रूप से ह्यट्रस्टह्न (रणनीतिक प्रौद्योगिकी के उपयोग से संबंधों का रूपांतरण) पहल से जुड़े सहयोग को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि दोनों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को उच्च प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी विदेश मंत्री भारत यात्रा पर हैं। आज सुबह उन्होंने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की।

'जल्द होगी ट्रेड डील', भारत संग रिश्ते पर मार्को रूबियों का बड़ा बयान

नई दिल्ली। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने रविवार को कहा कि भारत और अमेरिका लंबे समय से लंबित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के बेहद करीब पहुंच चुके हैं। नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बातचीत के बाद रूबियो ने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के लिए फायदेमंद और लंबे समय तक टिकाऊ होगा। संयुक्त प्रेस वार्ता में रूबियो ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर काफी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा, हम ऐसा समझौता चाहते हैं जो दोनों देशों के राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखे और दोनों पक्षों के लिए लाभकारी हो। मार्को रूबियो चार दिन के भारत दौरे पर हैं। विदेश मंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है। माना जा रहा है कि पिछले कुछ महीनों में व्यापार और टैरिफ को लेकर दोनों देशों के बीच पैदा हुए तनाव को कम करने के लिए यह दौरा अहम है।

मानवीय सहायताः भारत ने अफ्रीका को भेजी चिकित्सा सहायता की पहली खेप

नई दिल्ली

भारत सरकार ने अफ्रीका में तेजी से फैल रहे इबोला जन स्वास्थ्य आपातकाल से निपटने के लिए मानवीय सहायता के तहत चिकित्सा सामग्री और सुरक्षा किटों की पहली खेप रविवार को रवाना कर दी। यह सहायता अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (अफ्रीका सीडीसी) को भेजी गई है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि भारत उभरते इबोला जन स्वास्थ्य आपातकाल से निपटने में अफ्रीकी देशों के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा, इबोला संकट से निपटने में अफ्रीका का समर्थन करने के लिए हम पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। भारत द्वारा भेजी गई इस सहायता में चिकित्सा उपयोग की आवश्यक सामग्री, सुरक्षा उपकरण और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए विशेष सुरक्षा किट शामिल हैं। इन संसाधनों का उपयोग प्रभावित क्षेत्रों में संक्रमण नियंत्रण, मरीजों की देखभाल और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा। अफ्रीका के कई हिस्सों में इबोला संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग और संसाधनों की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

योगी सरकार मदरसा शिक्षा व्यवस्था को मजबूत और प्रभावी बनाने के लिए पूरी तरह से है संजीदा : राज्यमंत्री दानिश आजाद

लखनऊ। योगी सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है। विशेष रूप से मुस्लिम बहनों को शिक्षित कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। मदरसा शिक्षा के नाम पर केवल खानापूर्ति नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यहां गरीब मुस्लिम परिवारों के बच्चे पढ़ने आते हैं। ऐसे बच्चों को बेहतर और आधुनिक शिक्षा मिलना उनका अधिकार है। योगी सरकार मदरसा शिक्षा व्यवस्था को मजबूत और प्रभावी बनाने के लिए पूरी तरह संजीदा है। यह बातें रविवार को मदरसा शिक्षा परिषद का परिणाम आने के बाद अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहीं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में आयोजित मदरसा शिक्षा परिषद के वर्ष 2026 की परीक्षा में बेटियों ने बाजी मारी है। इस वर्ष 29 हजार से अधिक छात्राएं पास हुई है। जिनका सफलता प्रतिशत 94.30 प्रतिशत रहा है। छात्राओं ने टॉप रैंकिंग में भी अपना दबदबा कायम किया है। यह उपलब्धि केवल छात्राओं की मेहनत का परिणाम नहीं है, बल्कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों और पारदर्शी व्यवस्था का भी सकारात्मक असर है।

29 हजार से अधिक छात्राएं हुई पास

उप्र. मदरसा शिक्षा परिषद लखनऊ द्वारा वर्ष 2026 की मुंशी/मौलवी (सेकेंडरी) और आलिम (सीनियर सेकेंडरी) परीक्षा में कुल 55,788 छात्र-छात्राएं सफल हुए हैं, जिनमें 29,229 छात्राएं शामिल हैं। छात्राओं का कुल सफलता प्रतिशत 94.30 रहा है, जो इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश में बेटियों को बेहतर शैक्षिक माहौल और अवसर मिल रहे हैं। सेकेंडरी (मुंशी/मौलवी) परीक्षा में 21,407 छात्राएं पास हुई है। जिनका सफलता प्रतिशत 91.46 रहा है। वहीं सीनियर सेकेंडरी (आलिम) परीक्षा में 7,822 छात्राओं ने सफलता हासिल की, जिसका सफलता प्रतिशत 90.88 दर्ज किया गया है।

सीनियर सेकेंडरी के टॉप-3 में छात्राओं का दबदबा

सबसे खास बात यह रही कि सीनियर सेकेंडरी (आलिम) परीक्षा की टॉप तीन रैंक पर छात्राओं ने कब्जा जमाया है। वाराणसी जिले के मदरसा दैरातुल इस्लाह चिराग-ए-उलूम की छात्रा जुमी फरीन ने 82.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। इसी मदरसे की छात्रा शाइस्ता परवीन ने 82.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं अमरोहा जिले के मदरसा अलिया जफरिया की छात्रा उम्मुल खैर ने भी 82.40 प्रतिशत अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा वाराणसी की जैनबी हनिया ने 82 प्रतिशत अंक पाकर पांचवां स्थान हासिल किया। जबकि फरुर्खाबाद जिले के मदरसा इस्लामिया फैज-ए-आम लालबाघ हमीरपुर खास की छात्रा रेशमा ने 81.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर टॉप-10 में आठवां स्थान बनाया है।

गोरखपुर, कुशीनगर और लखनऊ की छात्राओं ने नाम किया रोशन

मदरसा बोर्ड की सेकेंडरी (मुंशी/मौलवी) परीक्षा में भी

मिशन शक्ति टीम ने छात्त्रार-छात्राओं को किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । एसपी सत्यनारायण* के कुशल निर्देशन में विभिन्न थानों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण, साइबर जागरूकता एवं सुरक्षा संबंधी कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया गया।

इस दौरान बालिकाओं/महिलाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा, महिला अधिकारों, साक्षरता, नए आपराधिक कानूनों एवं साइबर अपराध से बचाव के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में भी अवगत कराया गया।

अभियान के अंतर्गत निम्नलिखित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी प्रदान की गई– 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन एवं 181 महिला हेल्पलाइन।

साथ ही महिला हेल्पडेस्क, एंटीरोमियो टीम, मिशन शक्ति केंद्र एवं थाना सीयूजी नंबरों की जानकारी देकर आमजन को जागरूक किया गया।

हथगांव पुलिस द्वारा 2 वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को थाना हथगांव पुलिस द्वारा डीपी एक्ट से संबंधित वारंटी अभियुक्तगण सुजात खान पुत्र हामिद खान उम्र करीब 32 वर्ष. हामिद खान पुत्र स्व0 इस्माईल खान उम्र करीब 60 वर्ष निवासीगण ग्राम रामपुर मुआरी थाना हथगांव जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया।

एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित अभियान ह्यमिशन शक्ति अभियान के फेज-5.0 के द्वितीय चरणह्न के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा ग्राम चौपाल लगाकर समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण हेतु ग्रामीणों से संवाद कर जागरुक किया गया । रविवार को अभियान के अंतर्गत सभी थानों की मिशन शक्ति / एंटीरोमियो टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा cyber-crime.gov.in पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया ।

किराये के मकान का ताला तोड़ लाखों की चोरी, लाइसेंसी रिवॉल्वर भी ले गए चोर

करेली के जीटीबी नगर में वारदात, दो संदिग्ध हिरासत में

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज के करेली थाना क्षेत्र स्थित जीटीबी नगर में चोरों ने एक किराये के मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया। बदमाश घर में रखी सोना-चांदी की ज्वेलरी, कीमती सामान के साथ लाइसेंसी रिवॉल्वर और कारतूस भी चोरी कर ले गए। मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

मोहत्सिमगंज निवासी एखलाक अहमद ने पुलिस को बताया कि वह इन दिनों जीटीबी नगर में किराये के मकान में रह रहे थे। 21 मई को उन्हें दूसरे मकान में शिफ्ट होना था। ऐसे में कुछ सामान नए मकान में पहुंचाने के बाद वह परिवार सहित वहां चले गए, जबकि बाकी सामान पुराने मकान में रखा हुआ था।

आरोप है कि 22 मई की तड़के करीब 3:50 बजे अज्ञात चोर मकान का ताला तोड़कर अंदर घुस गए और सोना-चांदी समेत अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। चोर उनके बड़े भाई जावेद अहमद की 32 बोर की लाइसेंसी रिवॉल्वर, 15 से 20 कारतूस और लाइसेंस संबंधी दस्तावेज भी उठा ले गए।

पीड़ित परिवार को आशंका है कि सामान शिफ्ट कराने आए दो ट्रॉली चालक युवकों ने पहले घर की रेकी की और बाद में वारदात को अंजाम दिया। सूचना मिलने पर करेली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

करेली थाना प्रभारी आशीष सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस कुछ संदिग्धों से पूछताछ कर रही है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

मोदी और योगी सरकार का मूल मंत्र है 'अंत्योदय' : रजनी तिवारी

उन्नाव। सिकंदरपुर कर्ण स्थित परिमल वाटिका में आयोजित भारतीय जनता पार्टी के दो दिवसीय 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026' का समापन हुआ। शिविर के दूसरे दिन कार्यकताओं ने योग-साधना के साथ दिन की शुरूआत की और चार महत्वपूर्ण वैचारिक सत्रों में हिस्सा लेकर संगठन व सरकार की नीतियों का पाठ सीखा।

प्रशिक्षण के दशम सत्र को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने 'केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियां' विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार का मूल मंत्र 'अंत्योदय' है। तिवारी ने अपने संबोधन में उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम आवास और जल जीवन मिशन जैसी क्रांतिकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि आज डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों के हक का पैसा सीधे उनके खातों में जा रहा है। उन्होंने कार्यकताओं का आह्वान किया कि वे इन ऐतिहासिक उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच जाएं ताकि 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

अष्टम सत्र में मुकेश शर्मा एमएलसी ने 'देश के समक्ष चुनौतियां और नैरेटिव' विषय पर कार्यकताओं को विपक्ष के भ्रामक प्रचार का मजबूती से उत्तर देने के लिए प्रशिक्षित किया।

आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर जिलाध्यक्ष कांग्रेस गौरव पाण्डेय ने ब्लाक अध्यक्ष और मण्डल अध्यक्षों को सौंपी मतदाता सूची

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । नगर पंचायत चरवा स्थित कैंप कार्यालय में जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में रक्फ़ प्रक्रिया के बाद प्रकाशित मतदाता सूची ब्लाक एवं मण्डल अध्यक्षों को सौंपी गई.! इस दौरान जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा रक्फ़ प्रक्रिया के बाद आगामी चुनावों के मद्देनजर हम सभी मजबूत जनाधार के साथ विधानसभा चुनावों में उतरेंगे!

जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने 8 ब्लाक के अध्यक्षों जिनमें ब्लाक अध्यक्ष चायल पुष्पराज शुक्ला, नेवादा रावेंद्र यादव,ब्लाक प्रभारी मूरतगंज एवं महासचिव नूरूत जमा,ब्लाक अध्यक्ष कड़ा रफीक

अहमद,ब्लाक अध्यक्ष सिराथू प्रतिनिधि जयप्रकाश जायसवाल,मंझनपुर विधानसभा अन्तर्गत मंझनपुर ब्लाक के प्रतिनिधि इंद्रपाल रैदास,कौशाम्बी ब्लाक अध्यक्ष संदीप कुमार,ब्लाक अध्यक्ष सरसवा अवधेश कुमार को ब्लाक स्तर पर सूची सौंपी गई! इसके बाद मण्डल अध्यक्षों को भी मतदाता सूची की जिम्मेदारी सौंपी गई।

गौरव पाण्डेय ने बताया कि हम सभी जनता के मौलिक अधिकारों के लड़ाई लड़ेगे आज बेतहाशा महंगाई अपनी चरम पर है आम जनता भाजपा सरकार के रवैए से तंग और परेशान हो चुकी है लेकिन कांग्रेस पार्टी सदैव जनहित के मुद्दों को बढ़ावा दी है और उसपर सफलता प्राप्त की है.!

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व प्रदेश सचिव रामबहादुर त्रिपाठी जी,जिला उपाध्यक्ष राम सूरत रैदास,अलकमा उस्मानी,उदय यादव,जिला महासचिव श्याम सिंह भदौरिया,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,अमित पाण्डेय, जयप्रकाश प्रजापति,महेश कुमार,नाथन लाल,नगर अध्यक्ष मंझनपुर संगीता कोरी, नगर अध्यक्ष चरवा निक्की पाण्डेय,कार्यालय प्रभारी हेमन्त रावत,रमेश यादव,राम जी सेन,आलोक त्रिपाठी सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसपी सिटी द्वारा गंगा दशहरा पर्व के दृष्टिगत भगवानपुर घाट का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर । अपर पुलिस अधीक्षक नगर अभिषेक प्रताप अजेय द्वारा आगामी गंगा दशहरा पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत थाना नरसेना क्षेत्रान्तर्गत भगवानपुर घाट का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान घाट परिसर, आवागमन मार्ग, पार्किंग स्थल, बैरिकेडिंग व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, प्रकाश व्यवस्था तथा सुरक्षा संबंधी अन्य व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया गया। इस दौरान सम्बन्धित पुलिस

अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि पर्व के अवसर पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को प्राथमिकता देते हुए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाये।

घाट क्षेत्र में सतर्क दृष्टि बनाये रखते हुए संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखने, यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाये रखने तथा महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु आवश्यक प्रबन्ध किये जाने के निर्देश भी दिये गये।

एसपी सिटी द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि घाटों पर गोताखोरों एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित रखते हुए किसी भी आपात स्थिति से निपटने हेतु पूर्व से तैयारी पूर्ण रखी जाये। साथ ही स्थानीय प्रशासन एवं अन्य सम्बन्धित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर सभी व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में साथी सहित लूट का आरोपी गिरफ्तार एक घायल

सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। कड़ा धाम थाना क्षेत्र में 27 दिन पहले बाइक सवार से लूट के मामले में बीती रात पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है एक आरोपी घायल हो गया जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक फतेहपुर जिले के सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के संजय कुमार अपने मां के साथ 27 अप्रैल की रात में बाइक से वापस लौट रहे थे कड़ा धाम थाना क्षेत्र में बाइक सवार बदमाश ने उनके साथ लूट किया था बीती रात बाइक से जा रहे दो लोगों की पुलिस से भिड़ंत हो गई पहले पुलिस टीम पर बदमाशों ने फायरिंग की फिर निशानेबाज पुलिस ने फायरिंग की जो सीधा बाइक के पीछे बैठे युवक के बाएं पैर में गोली लगी जिससे युवक घायल हो गया निशानेबाज पुलिस कर्मियों के निशाना की मिसाल देनी होगी श्यामजीत पुत्र इन्द्रमन निवासी हैबत सुल्तानपुर घोष पुलिस की गोली से घायल हो गए इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है वही उनका साथी अमित सरोज पुत्र रमेश निवासी कटरा मोहल्ला सौराई बुजुर्ग थाना कड़ा धाम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है पकड़े गए दोनों बदमाशों के कब्जे से पुलिस ने लूट का कुछ सामान बरामद किया है और लिखा पढ़ी करने के बाद आरोपियों को पुलिस ने अदालत में पेश किया है।

डीएम एसपी ने गंगा दशहरा को लेकर घाटों का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। जिलाधिकारी फतेहपुर श्रीमती निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक द्वारा रविवार को गंगा दशहरा के अवसर पर होने वाले स्नान के दृष्टिगत थाना हुसैनगंज क्षेत्रान्तर्गत ओम घाट का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था एवं ड्यूटी में लगे अधि0/कर्मचारियों को संबोधित कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए साथ ही इस अवसर पर स्थानीय गोताखोरों तथा मंदिर समिति के पुजारियों से संवाद कर व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की तथा सभी से समन्वय बनाकर कार्य करने की अपील की।

वाराणसी में चिकित्सा संस्थानों के लिए विशेष कैंप सोमवार से,आईएमए भवन लहुराबीर में लगेगा कैंप

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में वाराणसी नगर निगम 15 जुलाई तक गृहकर, जलकर व सीवर कर जमा करने वाले भवन स्वामियों को 10 प्रतिशत की छूट दे रहा है । वही, डिजिटल ट्रांजैक्शन को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 का ऑनलाइन टैक्स करने वाले भवन स्वामियों को दो प्रतिशत की अतिरिक्त यानी 12 प्रतिशत की छूट मिल रही है । इसके साथ ही चिकित्सा संस्थानों की सुविधाओं के लिए दो दिवसीय विशेष कैंप 25 मई से आयोजित किया गया है। नगर निगम ने स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े संस्थानों के लिए विशेष सुविधा का प्रबंध किया है। सोमवार और मंगलवार, यानी 25 और 26 मई को 'डॉ. बीसी रॉय हॉल, आईएमए भवन, लहुराबीर' में एक वृहद कैंप का आयोजन किया गया है। यहां चिकित्सा संस्थान अपनी अनुज्ञप्ति शुल्क (लाइसेंस) के साथ-साथ गृहकर, जलकर और सीवर कर जमा कर सकते हैं।

रविवार को नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने बताया कि 7 मई से अब तक लाखों भवन स्वामियों को इस छूट का लाभ दिया जा चुका है। उन्होंने उन करदाताओं को आश्वस्त किया जिन्होंने 1 अप्रैल से 6 मई के बीच टैक्स जमा किया था, कि उनकी छूट की राशि को अगले वित्तीय वर्ष में समायोजित (एडजस्ट) कर दिया जाएगा, अतः उन्हें परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। इस बार सामाजिक सरोकार के तहत विशेष श्रेणी के करदाताओं को बड़ी राहत दी गई है। शहर के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और पद्म पुरस्कार से सम्मानित विभूतियों को गृहकर, जलकर और सीवर कर में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है।

फतेहपुर पुलिस का मेधावी छात्र एवं प्रशंसनीय सेवा सम्मान समारोह

कर्तव्यनिष्ठा, तकनीकी दक्षता एवं साहस का एसपी ने किया सम्मान

हनुमान प्रसाद शुक्ल
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन के सम्मेलन कक्ष में मेधावी छात्र एवं प्रशंसनीय सेवा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

शैक्षणिक सत्र-2025-2026 में हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा में 90 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले में प्रतीक कुमार वर्मा, दिव्या, अनुराग यादव शामिल रहे। इसके अलावा साहसिक एवं मानवीय कार्य करने वाले गोताखोरों को प्रशस्ति पत्र व एक - एक हजार रुपये का नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसमें महेश कुमार निवासी ग्राम नौबस्ता थाना सुल्तानपुर घोष जनपद फतेहपुर, अशोक कुमार निवासी ग्राम टंडवा

मजरे खरगूपुर बरगला थाना सुल्तानपुर घोष जनपद फतेहपुर शामिल रहे। इसी प्रकार थाना सुल्तानपुर घोष, जनपद फतेहपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम टंडवा पर मजरे खरगूपुर बरगला स्थित गंगा नदी में स्नान के दौरान बालक रत्नेश कुमार पुत्र राजू उम्र लगभग 13 वर्ष के गहरे पानी में चले जाने के कारण डूबने की घटना के दौरान रत्नेश कुमार को बचाने के प्रयास में उसके साथ मौजूद अंश, शिवम एवं शिवानी भी गहरे पानी में फंसकर डूबने लगे। ऐसे संकटपूर्ण एवं जीवन-जोखिम की स्थिति में उपस्थित स्थानीय नागरिक महेश कुमार निवासी ग्राम नौबस्ता थाना सुल्तानपुर घोष जनपद फतेहपुर व अशोक कुमार ग्राम टंडवा पर मजरे खरगूपुर बरगला द्वारा अदम्य साहस एवं सूझबूझ का परिचय देते हुए अपनी जान की परवाह किए बिना ही नदी में कूदकर अंश, शिवम एवं शिवानी के प्राणों की रक्षा की गई। महेश व अशोक कुमार द्वारा साहसिक कार्य न केवल सराहनीय, बल्कि समाज के लिए प्रेरणास्रोत भी है। जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने वाले 24 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

तेज रफ्तार डीसीएम पलटी,एक दर्जन बकरों की मौत दर्जनों बकरे घायल

सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र में रविवार को तेज रफ्तार डीसीएम अनियंत्रित होकर बीच हाइवे मे पलट गया जिसमे एक दर्जन से अधिक बकरा की मौत हो गया जबकि दर्जनों बकरा घायल है दुर्घटना देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे मामले की सूचना पुलिस को दी गई एवं डीसीएम में फंसे अन्य बकरो को बाहर निकल गया।

जानकारी के मुताबिक चालक चाँद बाबू उर्फ गोलू पुत्र रफीक अहमद गाँव बैरा गरीब थाना हुसैन गंज फतेहपुर दो मजदूर शेक बहादुर उम्र 30 वर्ष वा समर बाबू उम्र 27 वर्ष के साथ डीसीएम में जसवंत नगर इटवा से ढाई सौ लगभग बकरों को लेकर कोलकाता जा रहा था जैसे ही डीसीएम कोखराज थाना क्षेत्र के अंदावा के पास पहुंचा बकरों से लदी डीसीएम अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में करीब एक दर्जन से अधिक बकरों की मौके मौत हो गई,जबकि कई बकरे घायल हो गए।हादसे के बाद मौके

पर अफरा-तफरी मच गई और कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा घटना के बाद पुलिस चौकी शहजादपुर प्रभारी जनार्दन सिंह फोर्स के साथ पहुंचकर क्रेन बुलाकर हाइवे से डी सी एम हटवा कर यातायात को चालू कराया गया जानकारी मिलते ही गाड़ी मालिक खुशनूर अहमद मंझनपुर और दूसरे मालिक सरफराज अहमद मंझनपुर भी मौके पर पहुंच गए है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक डीसीएम की रफ्तार काफी तेज थी।अचानक चालक का वाहन से नियंत्रण हट गया और डीसीएम सड़क किनारे पलट गई। गाड़ी में ढाई सौ से ज्यादा बकरा लदे हुए थे। हादसा इतना जबरदस्त था कि डीसीएम के पलटते ही बकरों में चीख-पुकार मच गई। करीब एक दर्जन बकरों की दबकर मौके पर ही मौत हो गई। कई बकरे घायल भी हुए हैं। सूचना मिलते ही शहजादपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से डीसीएम को सीधा करवाया। इसके बाद सड़क पर यातायात सुचारु रूप से चालू कराया गया है इस मामले मे इंस्पेक्टर कोखराज चंद्र भूषण मौर्य से बात की गई तो बताया 25 बकरा घायल हो गए हैं और 15 बकरे की मौत हो गई है और मौजूद ग्रामीणो की मदद से सभी बकरा बाहर निकाला गया है दुर्घटना में ड्राइवर को हल्की चोटे आई है मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए है।

वाराणसी के नमोघाट पर गार्डों और बाउंसरों ने पर्यटकों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा, एक की मौत

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल नमोघाट पर रविवार को मामूली विवाद में गार्डों और बाउंसरों ने पर्यटकों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा,जिसमें एक किशोर पर्यटक की अस्पताल में मौत हो गई। मृत पर्यटक की पहचान जनपद सोनभद्र निवासी 17 वर्षीय राजेंद्र उर्फ चिंटू के रूप में हुई है। इस मामले में आदमपुर पुलिस ने चार सुरक्षाकर्मियों सहित संचालक को भी गिरफ्तार कर लिया है। उधर, मारपीट और पर्यटक की मौत के बाद नगर में सियासत भी उबलने लगी है। कांग्रेस ने इस प्रकरण को लेकर सरकार पर जमकर निशाना साधा है।

मली जानकारी के अनुसार सोनभद्र जनपद से पर्यटकों का एक समूह रविवार को सुबह ताजी हवा और गंगा दर्शन के लिए नमो घाट पहुंचा था। सभी पर्यटक मुख्य प्रवेश द्वार से घाट के भीतर जाने लगे तो वहां ड्यूटी पर मौजूद निजी सुरक्षा गार्डों ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। इस बात को लेकर पर्यटकों और गार्डों में विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और सुरक्षा गार्डों ने अपने अन्य साथियों और निजी बाउंसरों को मौके पर बुला लिया। इसके बाद सभी ने मिलकर पर्यटकों को लाठियों और डंडों से पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान सोनभद्र निवासी किशोर राजेंद्र उर्फ चिंटू को बाउंसरों ने जमीन पर गिराकर लात-घूंसों और डंडों से सिर व

छाती पर प्रहार किए। गंभीर चोटें आने के कारण राजेंद्र लहूलुहान होकर सीढ़ी पर गिर गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल घायल पर्यटकों को कबीरचौरा स्थित मंडलीय अस्पताल ले गई। जहां चिकित्सकों ने राजेंद्र उर्फ चिंटू को मृत घोषित कर दिया। वहीं, अन्य घायलों का आपातकालीन वार्ड में इलाज जारी है।

इस संबंध में आदमपुर थाना प्रभारी विमल मिश्रा ने बताया कि मृत किशोर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपित बाउंसरों की शिनाख्त की गई। मृत किशोर के परिवार की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में चार लोगों गार्डों समेत सिक्योरिटी गार्ड कंपनी के टेंडर मालिक को भी हिरासत में लिया गया है। टेंडर मालिक से पूछताछ चल रही है।

इस मामले को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने अपने सोशल मीडिया के अधिकृत अकाउंट एक्स पर सरकार को घेरा हैं । प्रदेश अध्यक्ष ने लिखा है कि काशी के 'नमो घाट' पर सोनभद्र से आए श्रद्धालुओं और टूरिस्ट के साथ सिक्योरिटी गार्ड और बाउंसरों ने जो बर्बरता की, वह बहुत शर्मनाक और निंदनीय है। इस हिंसक हमले में एक बेगुनाह किशोर की जान चली गई, और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। मृतक के परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। अब, जब बनारस में सुरक्षा और व्यवस्था की जिम्मेदारी यूपी पुलिस से छीनकर 'गुजरात' की प्राइवेट कंपनियों को दी जाएगी, तो वे उस राज्य के लोगों और काशी के निवासियों के साथ ठीक वैसा ही व्यवहार करेंगे। बाबा विश्वनाथ की नगरी गुजरात की कंपनियों के लिए 'वसूली और ठगी' का अड्डा बन गई है। क्या यूपी पुलिस अब सिर्फ मूकदर्शक बनी रहेगी?

इस जघन्य हत्याकांड के अपराधियों पर तुरंत हत्या का आरोप लगाया जाना चाहिए, उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए, और पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए। सरकार से यह भी मांग है कि पीड़ित परिवार को तुरंत उचित आर्थिक मदद (मुआवजा) दी जाए।

संदिग्ध परिस्थितियों में लगी घर में आग, गृहस्ती जलकर हुई खाक

सबसे तेज प्रयागराज

होलागढ़/प्रयागराज। रविवार दोपहर होलागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत न्यायीपुर थाना होलागढ़ प्रयागराज निवासी देशराज शर्मा पुत्र रामस्वरूप शर्मा के घर में दोपहर लगभग 1:00 के करीब कच्चे मकान में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। उस समय देशराज की पत्नी बच्चे घर के अंदर सो रहे थे, जैसे ही धुआं उठा, आग की लवर देखी गई, महिला ने घर से बाहर निकल कर स्वयं और बच्चे की जान बचाई। ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया, पीड़ित देशराज शर्मा ने बताया कि घर के अंदर सभी सामान व अनाज जलकर राख हो गए, खबर लिखे जाने तक आग लगने का कारण संदिग्ध रहा।

जनगणना से 65 गैरहाजिर, बस्ता आज लें नही तो होगी कार्रवाई

बीएसए अनिल कुमार ने जारी किया निर्देश, डीएम ने जताई नाराजगी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। प्रयागराज के बीएसए अनिल कुमार ने आज सभी खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) को निर्देशित किया है कि वर्तमान में संचालित जनगणना कार्य के लिए लगाए गए परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक / शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण, जिनके द्वारा अभी तक अपना बस्ता प्राप्त नहीं किया गया है तथा ड्यूटी ग्रहण नहीं की गई है, उनके प्रति जनपद स्तर पर गंभीर अप्रसन्नता व्यक्त की गई है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति कार्य के प्रति उदासीनता एवं उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना को प्रदर्शित करती है, जिस पर जिला निर्वाचन अधिकारी / डीएम प्रयागराज द्वारा गहरी अप्रसन्नता व्यक्त की गई है, जो कदापि विचारणीय नहीं है।

ऐसे में सभी अनुपस्थित 65 संबंधित शिक्षक / कर्मचारीगण को अंतिम अवसर प्रदान करते हुए निर्देशित किया जाता है कि वह 26 मई सोमवार को प्रातः 10:30 बजे तक अनिवार्य रूप से अपना बस्ता प्राप्त करते हुए ड्यूटी ग्रहण करना सुनिश्चित करें। बीएसए अनिल कुमार ने बताया कि निर्धारित समयावधि के उपरांत भी यदि किसी शिक्षक/कर्मचारी द्वारा ड्यूटी प्राप्त नहीं की जाती है, तो संबंधित के विरुद्ध एफआईआर पंजीकृत कराते हुए विभागीय कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित शिक्षक/कर्मचारी की स्वयं की होगी।

डीएम ने सिविल सेवाएं परीक्षा-2026 को सकुशल, निर्विघ्न, निष्पक्ष, संपन्न कराने के लिए परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । डीएम मनीष कुमार वर्मा , संघ लोकसेवा आयोग, नई दिल्ली द्वारा आज रविवार को आयोजित हो रही सिविल सेवाएं (प्रारम्भिक) परीक्षा-2026 को संघ लोक सेवा आयोग के द्वारा निर्धारित प्रक्रियानुसार सकुशल, निर्विघ्न, निष्पक्ष, सुचितापूर्वक सम्पन्न कराने एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के दृष्टिगत द्वारका प्रसाद गर्ल्स इंटर कालेज , भारत स्काउट एंड गाइड इंटर कॉलेज सहित अन्य शिक्षण संस्थानों में प्रारंभिक परीक्षा हेतु बनाए गए परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण कर निरीक्षण किया कसंघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रारंभिक परीक्षा के आयोजन के सम्बंध में दिए गए समस्त निदेर्शों के अनुसार प्रत्येक कार्यवाही निर्धारित समय एवं निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही हो के निर्देश संबंधित अधिकारियों व केन्द्र व्यवस्थापकों को देते रहे क उन्होंने परीक्षा केन्द्र पर कंट्रोल रूम में ३५ कैमरा की क्रियाशीलता, प्रकाश, पीने के पानी, निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था आदि को देखा एवं जानकारी प्राप्त की ।

विद्युत आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के संबंध में विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ डीएम ने की बैठक

जिलाधिकारी ने रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने एवं शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में रविवार को एनआईसी सभागार में विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ विद्युत आपूर्ति से संबंधित समस्याओं के समाधान और विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाये रखने के संबंध में बैठक आयोजित की गई।

बैठक जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम समाचार पत्रों एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त हुई विद्युत आपूर्ति की समस्यायों और शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की मौजूदा व्यवस्था की जानकारी ली जिसपर श्री लोकेश कुमार- अधीक्षण अभियंता विद्युत यमुनापार के द्वारा बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे बिजली आपूर्ति का शेड्यूल है। रात्रि में बिजली की मांग बढ़ जाने के कारण रोस्टिंग की जा रही है और रात्रि की कटौती को दिन में कोम्पन्सेट कर ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घण्टे विद्युत सप्लाई दी जा रही है । ओवरलोडिंग से बचाव हेतु अवैध कटिया कनेक्शन हटाने के लिए पीक ऑवर में विभागीय टीम और विजिलेंस टीम द्वारा संयुक्त चेकिंग और काम्बिंग की जा रही हैं। बताया कि सभी उपकेंद्रों पर मानक के अनुसार कर्मचारी तैनात किए गए हैं और शहरी क्षेत्रों के लिए 2 मैंटीनेंस वाहन और कर्मचारी तैनात किए हैं जो कि सभी विद्युत फॉल्टो को दूर कर विद्युत आपूर्ति सुचारू करते हैं । उन्होंने बताया कि पीक ऑवर्स में सिस्टम पर अत्यधिक लोड आने के कारण उपभोक्ताओं को लो वोल्टेज की समस्या आ रही है । उन्होंने बताया कि आंधी और तूफान के कारण बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण अत्यधिक संख्या में ट्रांसफार्मर बदले गए थे और तापमान में लगातार वृद्धि होने के कारण प्रतिदिन 120-125 ट्रांसफार्मर प्रतिदिन खराब हो रहे हैं जिसमें 10 केवीए से 100केवीए क्षमता के ट्रांसफार्मर हैं जिससे ट्रांसफार्मर को निर्धारित समय पर बदला नहीं जा सका था । अब जनपद में मरम्मत के बाद 350 ट्रांसफार्मर स्टॉक में रखे हुए हैं और उन्हें बदलने के लिए 21 वाहन उपलब्ध हैं तथा ट्रांस फार्मरो को 48 घंटे में बदला जा रहा है । जलनिगम, हॉस्पिटल,एवं पेयजल आपूर्ति से संबंधित ट्रांसफार्मर को प्राथमिकता पर बदला जा रहा है।

बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था की मानीटरिंग हेतु डिवीजन एवं तहसील स्तर पर जनपदीय अधिकारियों को टीम लगाने के निर्देश दिए हैं । उन्होंने कहा कि जनपदीय अधिकारियों की टीम जिस क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की ज्यादा शिकायते प्राप्त हो रही हैं और वहाँ पर आपूर्ति सुचारू करने के कार्य की मॉनिटर करे तथा खराब हुए ट्रांसफार्मर को विद्युत विभाग से निर्धारित समय सीमा में बदला जाना सुनिश्चित करायें ।

इस अवसर पर सौरभ गौतम अधीक्षण अभियंता गंगापार, कृष्णा सारस्वत अधीक्षण अभियंता विद्युत नगरीय वितरण मंडल प्रथम, संदीप मौर्या अधिशासी अभियंता तथा राघवेंद्र प्रताप सिंह अधिशासी अभियंता विद्युत उपस्थित रहे ।

नए पुल के नीचे मिला था बैग, यमुना में उतरा मिला कक्षा नौ के छात्र रिजवान का शव

मीरजापुर से फूफा के घर आया था किशोर, पुलिस कर रही जांच

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज के नैनी क्षेत्र में यमुना नदी में मिला शव मीरजापुर के जिगना थाना क्षेत्र स्थित मिश्रा का पुरवा निवासी 17 वर्षीय रिजवान पुत्र हसीन अली का निकला। बैग में मिले दवा के पर्चे के आधार पर पुलिस ने स्वजनों को सूचना दी, जिसके बाद रोते-बिलखते परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और शव की शिनाख्त की।

बताया गया कि रिजवान कक्षा नौ का छात्र था। स्कूल में छुट्टी होने के कारण वह जारी स्थित अपने फूफा के घर घूमने आया था। बीते गुरुवार को वह घर लौटने के लिए निकला था, लेकिन देर शाम उसका बैग नए पुल के नीचे मिला। शुक्रवार सुबह मवेशी चराने गए लोगों ने यमुना किनारे बैग पड़ा देखा और पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने बैग कब्जे में लेकर जल पुलिस और गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू कराई, लेकिन उस समय कोई सुराग नहीं मिला। शुक्रवार को यमुना में एक शव उतराता दिखाई दिया, जिसे जल पुलिस ने बाहर निकालकर नैनी पुलिस को सौंप दिया।

पुलिस ने बैग से मिले दवा के पर्चे पर लिखे मोबाइल नंबर के जरिए परिजनों से संपर्क किया। सूचना मिलते ही परिजन प्रयागराज पहुंचे और शव की पहचान रिजवान के रूप में की। फिलहाल पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि रिजवान नए पुल तक कैसे पहुंचा और उसके साथ क्या घटना हुई।

पटल परिवर्तन के विरोध में प्रयागराज के फार्मासिस्ट एकजुट

सीएमओ सभागार में हुई अतिआवश्यक बैठक, हड़ताल की दी चेतावनी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पटल परिवर्तन के विरोध में शनिवार को डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन प्रयागराज की अतिआवश्यक बैठक मुख्य चिकित्साधिकारी सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जनपद भर से पहुंचे फार्मासिस्टों ने सर्वसम्मति से पटल परिवर्तन का विरोध करते हुए इसे फार्मासिस्ट संवर्ग के हितों के खिलाफ बताया। बैठक की अध्यक्षता रणविजय सिंह ने की। इस दौरान हरिओम

सिंह (मंत्री), प्रवक्ता मधुकर श्रीवास्तव एवं डीपीआरए अध्यक्ष जनक सिंह मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश, लखनऊ ने भी इस मुद्दे पर सहमति जताई है कि फार्मासिस्ट संवर्ग पटल परिवर्तन के दायरे में नहीं आता है।

फार्मासिस्टों ने मांग की कि जनहित को देखते हुए इस संवर्ग का पटल परिवर्तन न किया जाए। चेतावनी दी गई कि यदि निर्णय वापस नहीं लिया गया तो जनपद प्रयागराज के सभी फार्मासिस्ट आंदोलन और हड़ताल के लिए बाध्य होंगे। इसकी पूरी जिम्मेदारी मुख्य चिकित्साधिकारी प्रयागराज की होगी।

16 एनसीसी प्रयागराज के छात्र छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज / पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज श्रीमान जोगेंद्र कुमार सिंह जी के कुशल निर्देशन व पुलिस उपायुक्त श्रीमान नीरज पाण्डेय जी के मार्गदर्शन में ब्रज बिहारी सहाय विद्या मंदिर कादिलपुर, प्रयागराज में वार्षिक प्रशिक्षण शिविर संख्या 63 ,16 उत्तर प्रदेश वाहिनी एनसीसी कैंप के 600 छात्र वा छात्राओं को प्रयागराज यातायात निरीक्षक, अध्यापक पवन कुमार पाण्डेय द्वारा सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर कर्नल कैम्प कमांडेंट श्रीमान निशांत बरियार बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। मुख्य अतिथि महोदय द्वारा पवन पाण्डेय जी को स्मृति चिन्ह व प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में निरीक्षक पवन पाण्डेय द्वारा जीवन के मूल्यों व सड़क दुर्घटना में न जाने कितने लोगों की जान चली जाती है। खासकर साइकिल चालकों के लिए सुरक्षित सफर करना एक बड़ी चुनौती बन गई है। कारण है कि लोग नियमों को लेकर लापरवाही करते हैं। छात्रों को बताया गया कि कार चालक सीट बेल्ट वा दोपहिया चालक सही मानकों वाला हेलमेट पहनकर ही घर से निकलें। सड़क पर हमेशा दूसरे वाहनों से निश्चित दूरी बनाकर रखनी चाहिए।

सड़क किनारे लगे दिशासूचक बोर्ड व सड़क सुरक्षा नियमों की भलीभांति जानकारी होनी चाहिए। वाहन चलाते समय नशा न करें। लोग कान में इयरफोन लगाकर गाड़ी चलाते हैं जो बेहद खतरनाक है। और बच्चो के यातायत संबंधी प्रश्नों के उत्तर के उत्तर भी दिए,उन्होंने बच्चो को गुड सेमिरिटन वा यातायात के दस स्वर्णिम सिद्धान्त के भी बारे में बताया। इस कार्यशाला में समाजसेवी नितीश शुक्ल, मधुकर पाण्डेय आदि लोग उपस्थित थे।

दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना हण्डिया पर पंजीकृत मुकदमा दुष्कर्म से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अनिल कुमार बिन्द पुत्र बिहारी लाल निवासी रिगदापुर उपरदहा थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा रविवार को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत बरौत स्थित नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गयी ।

उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार अभियुक्त उपरोक्त द्वारा शादी का झांसा देकर पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया गया तथा कही शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी गयी।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

प्र0नि0 अनूप सरोज, थाना हण्डिया. उ0नि0 रामानुज सिंह. उ0नि0 ब्रजेश सिंह, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

अपहरण का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

हंडिया। थाना हण्डिया ने अपहरण से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त ऊदल पुत्र गद्दा निवासी ग्राम सागरपुर थाना सुरियांवा जनपद भदोही को थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा रविवार को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत कस्बा हण्डिया स्थित पिलर नं0-40 के पास से गिरफ्तार किया गया ।

उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार अभियुक्त उपरोक्त द्वारा दिनांक- 17.04.2026 को हण्डिया थाना क्षेत्र के 01 नाबालिक युवती को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले जाया गया था, जिसके सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना हण्डिया पर मु0अ0सं0-188/2026 उपरोक्त पंजीकृत किया गया था ।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

प्र0नि0 अनूप सरोज, थाना हण्डिया, म0उ0नि0 काजल पटेल, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

नवाबगंज पुलिस द्वारा गैंगेस्टर एक्ट के 2 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज । पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना नवाबगंज पर पंजीकृत गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम से सम्बन्धित 2 वांछित अभियुक्त कृष्ण कुमार उर्फ बच्चा यादव पुत्र स्व0 जोखू लाल यादव निवासी ग्राम बनई का पुरा बरीबोझ थाना नवाबगंज. उमेश चन्द्र गुप्ता उर्फ बिल्लू पुत्र शंकरलाल निवासी ग्राम कोरारी थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना नवाबगंज पुलिस टीम द्वारा

रविवार को थाना नवाबगंज क्षेत्रान्तर्गत धनाराम का पुरवा के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

उल्लेखनीय है कि उपरोक्त अभियुक्तों का एक संगठित गिरोह है, जिसका गैंग लीडर गिरफ्तार अभियुक्त कृष्ण कुमार उर्फ बच्चा यादव पुत्र स्व0 जोखू लाल यादव निवासी ग्राम बनई का पुरा बरीबोझ थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज है । उपरोक्त अभियुक्त अपने आर्थिक एवं भौतिक लाभ हेतु भारतीय दण्ड विधान के अध्याय-16,17 व 22 में वर्णित अपराध करने के अभ्यस्त अपराधी है । गिरफ्तार उपरोक्त अभियुक्तों द्वारा अपने गिरोह के सदस्यों के साथ मिलकर अपने आर्थिक, भौतिक एवं बुनियादी लाभ, स्वयं व परिवार के ऐशो आराम के लिये विभिन्न थाना क्षेत्रों से वाहनों की चोरी कर उसके इंजन नं0, चेचिस नं0 बदलकर व वाहनों के स्वरूप को बदलकर डी0जे0 बनाकर उसे बेच कर अवैध तरीके से धन अर्जित करने आदि जैसे अपराधिक कृत्य किया जाता है ।

बाइक और ट्रैक्टर की टक्कर में युवक की मौत, एक गंभीर

मीरजापुर। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ड्रमंडगंज-हलिया मार्ग स्थित गलरा गांव के पास रविवार रात बाइक और ट्रैक्टर की आमने-सामने की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई, जबकि बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया।

गलरा गांव निवासी 25 वर्षीय रविशंकर अपने साथी 24 वर्षीय राजू के साथ बाइक से प्रयागराज जनपद के कोरांव गए थे। रात करीब नौ बजे दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे ही वे गलरा गांव मोड़ के पास पहुंचे, सामने से आ रहे ट्रैक्टर से उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई।

कार्यकताओं की कार्य कुशलता,वैचारिक चेतना होगी और सुदृढ़ : सांसद सीमा द्विवेदी

चरैवेति - चरैवेति' के मूलमंत्र के साथ संगठन को और अधिक सशक्त,ऊजार्वान बनाने का संकल्प

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पंड्ड दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान - 2026ह्व के अंतर्गत भाजपा जिला प्रशिक्षण वर्ग के द्वितीय दिवस के विभिन्न वैचारिक एवं संगठनात्मक सत्रों जौनपुर के होटल उत्सव मोटल में आज आयोजित किया गया। इस दौरान अंत्योदय के प्रणेता पं दीनदयाल उपाध्याय के विचारों, नीतियों और राष्ट्रवादी सिद्धांतों से कार्यकताओं को अभिसिंचित करने वाला प्रशिक्षण वर्ग वैचारिक शक्ति

को नई धार प्रदान करेगा।

इस अवसर पर सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी ने कहा कि निश्चित रूप से यह महाभियान हमारे संगठन के कार्यकताओं की कार्यकुशलता और वैचारिक चेतना को और सुदृढ़ करेगा, जिससे राष्ट्र निर्माण का हमारा संकल्प निरंतर गतिमान रहेगा।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष त्र्यंबक त्रिपाठी , सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव , काशी क्षेत्र के पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चंद्र श्रीवास्तव , जिला प्रभारी अशोक चौरसिया, जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, विधायक रमेश चंद्र मिश्रा जी, पूर्व प्रदेश महामंत्री विद्यासागर सोनकर, महाराष्ट्र सरकार में पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह, पूर्व सांसद केपी सिंह, एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंशु, पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र सिंह , सुशील कुमार उपाध्याय सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संपादकीय

भय, लालच और पूंजीवाद के बीच महासंकट में फंसी भारतीय अर्थव्यवस्था

भारत की अर्थव्यवस्था पिछले एक दशक में जिस दिशा में आगे बढ़ी है, उसने विकास के साथ-साथ अर्थव्यवस्था के लिये बड़े गंभीर सवाल भी खड़े किए हैं। वर्ष 2014 के बाद देश में ह्लअच्छे दिनह्व, हर साल दो करोड़ नौकरियां, विदेशों से काला धन वापस लाने और हर परिवार के खाते में 15 लाख रुपये जैसे बड़े-बड़े वादों के सहारे आर्थिक समृद्धि का सपना दिखाया गया। 2026 तक आते-आते यह साफ दिखाई देने लगा है, इन वादों और वास्तविक आर्थिक स्थिति के बीच एक गहरी खाई बन चुकी है। देश की सबसे बड़ी ताकत युवा आबादी मानी जाती है, लेकिन विडंबना यह है, कि वही युवा आज सबसे ज्यादा बेरोजगारी और आर्थिक असुरक्षा का सामना कर रहा है। शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी करोड़ों युवाओं को स्थायी रोजगार नहीं मिल पा रहा है। जहां नौकरियां मिलीं भी हैं, वहां ठेका व्यवस्था और कम वेतन ने युवाओं के शोषण को बढ़ावा दिया है। दूसरी ओर, सरकार भारत को दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने का दावा करती रही। आर्थिक विकास का लाभ आम नागरिक तक अपेक्षित रूप में नहीं पहुंच पाया। नोटबंदी और जीएसटी जैसे फैसलों को ऐतिहासिक आर्थिक सुधार बताया गया था, परंतु इनके दुष्परिणाम सबसे अधिक छोटे व्यापारियों, असंगठित क्षेत्र और लघु-उद्योगों को झेलने पड़े। नोटबंदी के बाद काला धन समाप्त करने का दावा किया गया, लेकिन अधिकांश नकदी फिर बैंकों में लौट आई। वहीं जीएसटी की जटिल व्यवस्था ने छोटे कारोबारियों की कमर तोड़ दी। लाखों छोटे और मध्यम उद्योग बंद होते चले गए, जिससे रोजगार के अवसर भी घटते गए। इस बीच महंगाई लगातार बढ़ती रही। पेट्रोल-डीजल, खाद, बिजली, बैंकिंग सेवाएं और दैनिक जरूरतों की वस्तुएं महंगी होती गईं, जबकि आम लोगों की आय उस अनुपात में नहीं बढ़ी। परिणामस्वरूप मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग कर्ज के जाल में फंसता चला गया। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं, जैसे- मुफ्त राशन, आयुष्मान योजना, उज्ज्वला योजना या किसान सम्मान निधि का व्यापक प्रचार जरूर हुआ, लेकिन इनके क्रियान्वयन में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के कई मामले सामने आए हैं। कई ऑडिट रिपोर्टों में करोड़ों रुपयों के फर्जी भुगतान और वित्तीय गड़बड़ियों को उजागर किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था की एक और बड़ी चुनौती बढ़ता कर्ज और राजकोषीय घाटा है। केंद्र और राज्य सरकारें लगातार बड़े पैमाने पर उधार लेकर विकास के दावे कर रही हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह विकास टिकाऊ है? विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर भृष्टाचार हो रहा है। कमीशन की राशि 30 से 50 फीसद तक पंहुच गई है। इस कमीशनखोरी में कैसा विकास हुआ है, इसे आसानी से समझा जा सकता है। जीडीपी की तुलना में कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। ब्याज के भुगतान में सरकार के बजट का बड़ा हिस्सा खर्च होने से भविष्य में आर्थिक संकट और गहरा होगा। इसके साथ ही, आर्थिक असमानता भी तेजी से बढ़ी है। एक ओर कुछ बड़े उद्योगपतियों की संपत्ति कई गुना बढ़ी, वहीं दूसरी ओर आम नागरिक की बचत और क्रय-शक्ति कमजोर होती गई। ऑनलाइन व्यापार और वैश्विक कंपनियों के विस्तार ने स्थानीय कारोबारियों को भी प्रभावित किया है। छोटे दुकानदार और पारंपरिक व्यवसाय धीरे-धीरे बंद होते चले गये। रिटेल क्षेत्र में बहुराष्ट्रीय कंपनियों का कब्जा हो गया। चिंता की बात यह भी है, भारत का आयात लगातार बढ़ रहा है, जबकि निर्यात अपेक्षित गति नहीं पकड़ पाया। विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ रहा है। वैश्विक हालात में पश्चिम एशिया का तनाव, तेल संकट और संभावित वैश्विक मंदी, भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौतियां पैदा कर रही हैं। ऐसे समय में यदि आर्थिक नीतियां संतुलित और दूरदर्शी न हों, तो संकट और गहरा सकता है। यह भी सत्य है, सरकार के लिए चुनाव जीतना और लोकप्रिय घोषणाएं करना आसान होता है।

युवापीढ़ी में 'इंस्टेंट प्रसिद्धि' पाने का बढ़ता हुआ आकर्षण

स्नेहा सिंह

आज के युवाओं को बहुत जल्दी प्रसिद्ध हो जाना है, चारों तरफ छा जाना है। दुनिया केवल उन्हीं की चर्चा करे, ऐसा चाहिए। उसके लिए वे किसी भी प्रकार के प्रयोग और जोखिम उठाने के लिए तैयार हो जाते हैं। आज ग्लैमर वर्ल्ड की चमक-दमक से प्रभावित बालपीढ़ी तथा सेलिब्रिटी के पीछे दीवानी बनी युवापीढ़ी इंस्टेंट कीर्ति पाने के तरह-तरह के नुस्खे खोज रही है।युवाओं में कार्पोरेट कंपनी के सीईओ नहीं, बल्कि सेलिब्रिटी बनने की तमन्ना है। उन्हें प्रोफेशनल नहीं, बल्कि पावरफुल तथा भाग्यवादी नहीं, बल्कि प्रसिद्ध बनना है। अधिकांश किशोर फटाफट ख्याति मिले, ऐसी कैरियर चुनने में लगे हुए हैं। उनके मत में प्रसिद्धि के पीछे पैसा अपने आप चला आता है, इसलिए एक पत्थर से दो पक्षी मारने जैसा होता है। वर्तमान युवापीढ़ी की प्रसिद्धि की भूख देखकर प्रसिद्ध अमेरिकी कलाकार और फिल्ममेकर एंडी वारहोले ने कहा था कि, ह्लएक दिन ऐसा आएगा, जब सभी लोग केवल 15 मिनट के लिए प्रसिद्ध होंगे।ह्व उनकी यह बात बहुत जल्द वास्तविकता के रूप में दिखाई देगी, यह निःसंदेह है।

आज फैशन शो, फिल्म, टीवी सीरियल और रियलिटी शो की भरमार के कारण एक कीर्ति-लोलुप पीढ़ी का जन्म हुआ है। यह पीढ़ी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर प्रसिद्ध होने का ही ध्येय रखती है। अधिकांश किशोर मानते हैं कि सेलिब्रिटी बनने से या किसी सेलिब्रिटी के निकट रहने से ही आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में प्रगति की जा सकती है। इस विषय पर युवापीढ़ी में किए गए सर्वेक्षण में अनेक आश्चर्यजनक बातें सामने आईं। सर्वे में भाग लेने वाले युवाओं से पूछा गया था कि स्वास्थ्य, स्मार्टनेस, प्रसिद्धि या दिखावे में से आप क्या पाना पसंद करेंगे?

चमकती थाली का काला सच : रसायनों के कब्जे में हमारा भोजन और भविष्य

रामानुज पाठक

मनुष्य ने जब पहली बार अन्न उगाया होगा, तब भोजन केवल भूख मिटाने का साधन नहीं रहा होगा; वह प्रकृति और जीवन के बीच एक पवित्र सेतु रहा होगा। खेतों की मिट्टी, ऋतुओं का संतुलन, वर्षा की बूंदें और सूर्य की ऊष्मा मिलकर भोजन को केवल स्वाद नहीं, बल्कि जीवनदायिनी ऊर्जा प्रदान करती थीं। किंतु आधुनिक उपभोक्तावादी समय में वही भोजन धीरे-धीरे बाजार की वस्तु बनता चला गया। अब फल का मूल्य उसके रस, पौष्टिकता और प्राकृतिक गुणों से नहीं, बल्कि उसकी चमक, रंग और तात्कालिक आकर्षण से आँका जाने लगा है। यही कारण है कि बाजारों में सुनहरे दिखने वाले आम, अस्वाभाविक रूप से चमकते मसाले और एक समान रंग लिए खाद्य पदार्थ आज हमारी थाली तक पहुँच तो रहे हैं, किंतु उनके भीतर पोषण से अधिक रसायन छिपे बैठे हैं। हाल के घटनाक्रमों में फलों को रासायनिक पदार्थों से पकाने तथा मेथीदाना, अजवाइन और धनिया जैसे मसालों को प्रतिबंधित केमिकल से चमकाने के मामले केवल कानून उल्लंघन नहीं, बल्कि उस गहरे वैज्ञानिक और सामाजिक संकट के संकेत हैं जहाँ मनुष्य का लालच प्रकृति के धैर्य पर भारी पड़ने लगा है।

विज्ञान हमें बताता है कि फल पकना एक अत्यंत जटिल और सुंदर जैव-रासायनिक प्रक्रिया है। जब फल परिपक्वता की ओर बढ़ते हैं, तब उनमें उपस्थित स्टार्च धीरे-धीरे ग्लूकोज और फ्रक्टोज जैसी शर्कराओं में बदलने लगता है। क्लोरोफिल टूटता है और कैरोटिनॉयड तथा अन्य वर्णक सक्रिय होकर पीले, लाल अथवा नारंगी रंग उत्पन्न करते हैं। इसी दौरान फल में सुगंधित यौगिक बनने लगते हैं और उसका स्वाद मधुर हो जाता है। इस पूरी प्रक्रिया का प्रमुख नियंत्रक एथिलीन नामक प्राकृतिक गैस है, जिसे पौध हार्मोन भी कहा जाता है। आम, केला, टमाटर और पपीता जैसे फल एथिलीन के प्रभाव से तेजी से पकते हैं। प्रकृति ने इस प्रक्रिया को एक निश्चित समय, तापमान और जैविक संतुलन से जोड़ा है।

समस्या तब आरंभ होती है जब बाजार इस प्राकृतिक समय को ह्लनुकसानह्व मानने लगता है। व्यापारी चाहते हैं कि फल जल्दी पकें, दूर तक भेजे जा सकें और देखने में आकर्षक लगें। इसी लालच ने कृत्रिम पकाने वाले रसायनों को जन्म दिया। लंबे समय तक कैल्शियम कार्बाइड का उपयोग इसी उद्देश्य से किया जाता रहा। यह रसायन नमी के संपर्क में आकर एसीटिलीन गैस उत्पन्न करता है, जो एथिलीन जैसा प्रभाव देकर फल को शीघ्र पीला बना देती है। किंतु विज्ञान यह भी बताता है कि तकनीकी ग्रेड कैल्शियम कार्बाइड में आर्सेनिक और फॉस्फोरस जैसे विषैले तत्व उपस्थित हो सकते हैं। यही कारण है कि इससे पके फल शरीर के लिए गंभीर खतरा बन जाते हैं। ऐसे फल बाहर से आकर्षक दिखाई देते हैं, किंतु भीतर से अधपके रहते हैं। उनमें प्राकृतिक मिठास विकसित नहीं हो पाती। कई बार फल का ऊपरी भाग मुलायम हो जाता है जबकि अंदरूनी भाग कठोर बना रहता है। यह केवल स्वाद का प्रश्न नहीं, बल्कि पोषण विज्ञान का विषय है। प्राकृतिक रूप से पकने वाले फलों में विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट और एंजाइम संतुलित मात्रा में विकसित होते हैं, जबकि कृत्रिम रूप से पकाए गए फलों में यह संतुलन बिगड़ सकता है। चिकित्सकीय शोध बताते हैं कि ऐसे रसायनों के लंबे समय तक सेवन से सिरदर्द, चक्कर, उल्टी, पेट दर्द, दस्त, त्वचा एलर्जी और तंत्रिका तंत्र संबंधी विकार उत्पन्न हो सकते हैं। गंभीर परिस्थितियों में यकृत और गुर्दों पर भी दुष्प्रभाव पड़ सकता है। कैंसरकारी जोखिमों की आशंका भी वैज्ञानिकों द्वारा व्यक्त की गई है।

आज बाजार में एथिलीन रिपनर पाउचों का उपयोग तेजी से बढ़ा है। इन पाउचों पर ह्लडोंट ईटह्व लिखा होना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि इनके भीतर मौजूद पदार्थ सीधे भोजन नहीं हैं। नियंत्रित वैज्ञानिक वातावरण में एथिलीन आधारित रिपनिंग तकनीक सुरक्षित मानी जाती है, किंतु अनियंत्रित उपयोग समस्या पैदा करता है। जब व्यापारी आवश्यकता से अधिक मात्रा में इनका प्रयोग करते हैं, तब फल अस्वाभाविक रूप से तेजी से पकते हैं। ऐसे फलों में प्राकृतिक सुगंध कम हो जाती है, स्वाद फीका लगता है और उनका ऊतक असंतुलित हो जाता है। फल बाहर से सुंदर और भीतर से बीमार हो जाता है। यह दृश्य आधुनिक समाज की मानसिकता का भी प्रतीक है जहाँ बाहरी चमक को वास्तविक गुणवत्ता से अधिक महत्व दिया जाने लगा है। मसालों में मिलावट का विज्ञान और भी चिंताजनक है, क्योंकि भारतीय भोजन में मसाले केवल स्वाद नहीं, बल्कि औषधीय महत्व भी रखते हैं। आयुर्वेद में मेथी, अजवाइन और धनिया को पाचन सुधारने, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और शरीर को संतुलित रखने वाला माना गया है। किंतु जब इन्हीं मसालों को कृत्रिम चमक देने के लिए सल्फर यौगिकों, सिंथेटिक रंगों और रासायनिक धुएँ का उपयोग किया जाता है, तब उनका औषधीय गुण नष्ट होने लगता है। कई बार मसालों पर औद्योगिक रंगों का लेप चढ़ा दिया जाता है ताकि वे अधिक आकर्षक दिखाई दें। वैज्ञानिक अध्ययनों में यह पाया गया है कि कुछ कृत्रिम रंगों में भारी धातुएँ और विषैले कार्बनिक यौगिक उपस्थित हो सकते हैं। ये शरीर में पहुँचकर एलर्जी, त्वचा रोग, श्वसन संबंधी विकार और हार्मोन असंतुलन जैसी समस्याएँ उत्पन्न कर सकते हैं।

यहाँ सबसे बड़ी विडंबना उपभोक्ता मनोविज्ञान की है। आधुनिक बाजार ने मनुष्य की दृष्टि को इस प्रकार प्रशिक्षित कर दिया है कि वह प्राकृतिक वस्तुओं की असमानता को दोष मानने लगा है। यदि आम पर हल्के धब्बे हों, यदि धनिया का रंग थोड़ा फीका हो, यदि मेथीदाना अत्यधिक चमकदार न हो, तो उपभोक्ता उसे निम्न गुणवत्ता का समझ लेता है। यही मानसिकता मिलावटखोरों को प्रोत्साहित करती है। प्रकृति में पूर्ण समानता नहीं होती; वहाँ विविधता ही वास्तविकता है। हर फल का आकार अलग होता है, हर दाने की चमक अलग होती है। किंतु कृत्रिम रसायन इस विविधता को मिटाकर एक नकली सुंदरता उत्पन्न कर देते हैं। एक बड़ा पक्ष पर्यावरणीय भी है। रासायनिक पदार्थों का अत्यधिक उपयोग केवल मानव शरीर को नहीं, बल्कि मिट्टी, जल और वायु को भी प्रभावित करता है। जब ऐसे रसायन खाद्य श्रृंखला में प्रवेश करते हैं, तब उनका प्रभाव केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। मिट्टी की सूक्ष्म जैविक संरचना प्रभावित होती है, जल स्रोत प्रदूषित होते हैं और पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ने लगता है। वैज्ञानिकों के अनुसार खाद्य मिलावट और रासायनिक प्रदूषण भविष्य की सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में प्रमुख कारण बन सकते हैं। उपभोक्ताओं को भी वैज्ञानिक दृष्टि अपनानी होगी। फल खरीदते समय केवल रंग और चमक पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है। यदि आम असामान्य रूप से पीला हो, यदि उसकी सुगंध प्राकृतिक न लगे, यदि दबाने पर वह बाहर से नरम और भीतर से कठोर प्रतीत हो, तो सावधान हो जाना चाहिए। मसालों में अत्यधिक चमक, कृत्रिम गंध या अस्वाभाविक रंग मिलावट का संकेत हो सकते हैं। फलों और सब्जियों को बहते पानी में अच्छी तरह धोना, कुछ समय गुनगुने पानी में रखना तथा स्थानीय और मौसमी उत्पादों को प्राथमिकता देना अपेक्षाकृत सुरक्षित उपाय हैं।

किंतु समाधान केवल व्यक्तिगत सावधानी तक सीमित नहीं हो सकता। आवश्यकता कठोर खाद्य सुरक्षा व्यवस्था, नियमित निरीक्षण, वैज्ञानिक परीक्षण प्रयोगशालाओं और जनजागरूकता अभियानों की है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में खाद्य सुरक्षा संबंधी शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि नई पीढ़ी चमक और गुणवत्ता के अंतर को समझ सके। मीडिया और समाज को भी यह समझना होगा कि भोजन केवल उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि राष्ट्र के स्वास्थ्य का आधार है। वास्तव में यह संकट केवल रसायनों का नहीं, बल्कि हमारी बदलती जीवन-दृष्टि का संकट है। हमने भोजन को प्रकृति का प्रसाद मानना छोड़ दिया और उसे बाजार की वस्तु बना दिया। परिणामस्वरूप खेतों की सादगी बाजार की चमक में खोने लगी। आज आवश्यकता इस बात की है कि विज्ञान का उपयोग मानव स्वास्थ्य और प्रकृति की रक्षा के लिए हो, न कि केवल त्वरित लाभ और कृत्रिम सुंदरता के लिए।

जनस्वास्थ्य पर बाजार का बढ़ता कब्जा

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य केवल चिकित्सा सेवा का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व का विषय भी है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसके नागरिकों के स्वास्थ्य स्तर से मापी जाती है। यदि समाज का बड़ा हिस्सा उपचार, दवाइयों, पोषण और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित रह जाए, तो आर्थिक विकास के दावे खोखले साबित होते हैं। दुर्भाग्य से पिछले कुछ दशकों में भारत सहित विश्व के अनेक देशों में स्वास्थ्य क्षेत्र का तेजी से बाजारीकरण हुआ है। स्वास्थ्य सेवा, जो मूलतः मानव अधिकार मानी जानी चाहिए थी, धीरे-धीरे लाभ कमाने वाले उद्योग में बदलती चली गई। निजी अस्पतालों, महंगी दवाओं, बीमा-आधारित उपचार और कॉरपोरेट चिकित्सा व्यवस्था ने आम नागरिक, विशेषकर गरीब और ग्रामीण वर्ग, को स्वास्थ्य सुविधाओं से दूर कर दिया है। ऐसे समय में भारतीय राज्य की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है कि वह सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करे और जमीनी स्तर तक उसकी पहुँच सुनिश्चित करे।

भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या असमानता है। महानगरों में अत्याधुनिक अस्पताल और सुपर-स्पेशियलिटी सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जबकि दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक पर्याप्त डॉक्टर, दवाइयाँ और उपकरण नहीं हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और पहुँच किसी भी लोकतांत्रिक राज्य की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है। लेकिन भारत में स्थिति यह है कि लाखों लोग केवल आर्थिक अभाव के कारण उपचार नहीं करा पाते। निजी अस्पतालों का खर्च इतना अधिक है कि एक गंभीर बीमारी पूरे परिवार को गरीबी में धकेल सकती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य खातों की रिपोर्टें बताती हैं कि भारत में स्वास्थ्य पर होने वाला ह्लआउट ऑफ पॉकेट एक्सपेंडिचरह्व अभी भी बहुत अधिक है। इसका अर्थ है कि लोगों को इलाज का बड़ा हिस्सा अपनी जेब से देना पड़ता है। यही बाजारीकरण का सबसे खतरनाक परिणाम है। सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए सबसे पहले राज्य को प्राथमिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करना होगा। भारत के गाँवों और छोटे कस्बों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (ढलउ) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (उलउ) स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं। लेकिन अधिकांश केंद्रों में डॉक्टरों की कमी, दवाइयों का अभाव, खराब भवन और उपकरणों की कमी जैसी समस्याएँ बनी रहती हैं। सरकार को स्वास्थ्य बजट में पर्याप्त वृद्धि करके इन संस्थानों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करना चाहिए। प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित डॉक्टर, प्रशिक्षित नर्सें, लैब सुविधाएँ और आवश्यक दवाइयाँ उपलब्ध कराना अनिवार्य होना चाहिए। यदि प्राथमिक स्तर पर ही रोगों की पहचान और उपचार संभव हो जाए, तो बड़े अस्पतालों पर दबाव कम होगा और गरीब लोगों को शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। इसके साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं का विकेंद्रीकरण भी आवश्यक है। केवल जिला अस्पतालों पर निर्भर रहने से दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। राज्य सरकारों को पंचायत स्तर तक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना चाहिए। आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सेवाएँ और सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेवकों को मजबूत बनाकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता और प्राथमिक उपचार को बढ़ावा दिया जा सकता है। कोविड-19 महामारी के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकताओं की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण होती है। यदि इन कार्यकताओं को बेहतर प्रशिक्षण, सम्मानजनक वेतन और संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ, तो वे स्वास्थ्य सेवाओं को घर-घर तक पहुँचाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में तकनीक का उपयोग भी जमीनी स्तर पर पहुँच बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। टेलीमेडिसिन, मोबाइल हेल्थ यूनिट्स और डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड जैसी व्यवस्थाएँ दूरदराज क्षेत्रों में विशेषज्ञ सेवाएँ उपलब्ध कराने में सहायक हो सकती हैं। भारत में कई ऐसे गाँव हैं जहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों का पहुँचना कठिन है। ऐसे क्षेत्रों में ऑनलाइन परामर्श और डिजिटल डायग्नोस्टिक सेवाएँ महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। हालांकि तकनीक को मानव संपर्क का विकल्प नहीं, बल्कि सहयोगी माध्यम के रूप में विकसित करना होगा। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के साथ स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति भी जरूरी है ताकि कम साक्षरता वाले लोग भी इन सुविधाओं का लाभ उठा सकें। सस्ती और सार्वभौमिक दवा उपलब्धता भी सार्वजनिक स्वास्थ्य विस्तार का एक आवश्यक पहलू है। निजी बाजार में दवाइयों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।

मूक जीवों के लिए करुणा का संकल्प

सुनील कुमार महला

पूरी दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग लगातार बढ़ती चली जा रही है और यह चिंताजनक बात है कि अप्रैल-मई 2026 में दुनिया के सबसे गर्म 100 शहरों में 90 से अधिक भारतीय शहर शामिल रहे। वास्तव में, इस समय भारत के कई शहर अपने अत्यधिक तापमान और हीटवेव के कारण चर्चा में हैं। खासकर उत्तर भारत, राजस्थान, विदर्भ (महाराष्ट्र), दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और ओडिशा के शहरों में तापमान 44त सेल्सियस से 47त सेल्सियसतक पहुंच चुका है। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली लगातार हीटवेव और रिकॉर्ड गर्म रातों के कारण चर्चा में है। ब्रह्मपुरी हाल में 47.2त सेल्सियस के साथ देश का सबसे गर्म शहर दर्ज हुआ। विदर्भ क्षेत्र शहर क्रमशः वर्धा, अमरावती और नागपुर 45-47त सेल्सियस तापमान के कारण सुर्खियों में रहे। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज, वाराणसी और बंदा, राजस्थान का श्रीगंगानगर, पूर्वी भारत में झारसुगुड़ा और तालचेर तथा पहाड़ी क्षेत्र होने के बावजूद देहरादून 40त सेल्सियस पार तापमान दर्ज होने से चर्चा में रहा। ऐसे समय में हमें यह चाहिए कि हम पशु-पक्षियों का भी समुचित ध्यान रखें। कहना गलत नहीं होगा कि भीषण गर्मी केवल मनुष्यों के लिए ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी अत्यंत कष्टदायक होती है। तेज धूप, सूखते जलस्रोत और बढ़ता तापमान उनके जीवन के लिए बड़ा संकट बन जाते हैं। ऐसे समय में यदि घरों की छतों, आंगनों, पेड़ों के नीचे या सार्वजनिक स्थानों पर पानी से भरे पात्र और दाना रखा जाए, तो यह जीवों के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। छोटी-सी पहल से अनेक पक्षियों की प्यास बुझ सकती है और बेसहारा पशुओं को राहत मिल सकती है। पाठक जानते हैं कि हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में भी जीवों पर दया और सेवा को पुण्य माना गया है। गौ, कुत्ते, कबूतर, गौरैया और अन्य पक्षियों को भोजन-पानी देना केवल संवेदनशीलता नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारा दायित्व भी है। गर्मियों में मिट्टी के बर्तन में(सकोरों में) स्वच्छ पानी रखना, नियमित रूप से उसे बदलना और अनाज के कुछ दाने डालना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक सुंदर प्रयास है। आज शहरीकरण और पेड़ों की कमी के कारण पक्षियों के प्राकृतिक आश्रय और जलस्रोत लगातार घट रहे हैं। ऐसे में समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आकर 'परिंडा अभियान' जैसे प्रयासों से जुड़ना चाहिए। यदि हर घर एक पात्र पानी का रख दे, तो अनगिनत पशु-पक्षियों का जीवन बचाया जा सकता है। मानवता का सच्चा अर्थ केवल मनुष्यों की सेवा नहीं, बल्कि हर जीव के प्रति करुणा रखना है। प्राचीन भारतीय संस्कृति में पशु-पक्षियों के प्रति दया, करुणा और संरक्षण की भावना जीवन का अभिन्न अंग थी।

स्टालिन अपनी विचारधारा के साथ आयेंगे बीजेपी के करीब !

अजय कुमार

चार मई को तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद प्रदेश की राजनीतिक हवाएँ अचानक बदल गई थीं। चार मई से पहले प्रदेश में जब भी कहीं कोई सभा सजती थी, तो द्रमुक की झंडियाँ और उसके समर्थकों की उमंग इतनी प्रबल दिखती थी कि विरोधी दल भी चुप रह जाते थे। पर अब वही मंडप, वही लोग और वही भाषण, सब कुछ जैसे किसी अनकहे वादे से खाली पड़ गया हो। विधानसभा के अंदर-बाहर नेता और कार्यकर्ता कह रहे थे कि जो रिश्ता वर्षों से बना रहा, वह अब टूटता दिख रहा है। कांग्रेस ने जहाँ अपने दो विधायकों को थलापति के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री बनाकर पूछ बढ़ाई, वहीं द्रमुक के सांसदों ने संसद में अलग बैठने के लिए पत्र लिख दिया। शहर के चाय वालों से लेकर सरकारी दफ्तरों तक हर जगह चर्चा इस बात की थी कि क्या द्रमुक सत्ता से कट जाएगी, और क्या उसकी चाल भाजपा की ओर झुकेगी। हाल यह है कि चार मई के बाद द्रमुक नेता और पूर्व सीएम स्टालिन के चेहरे पर निराशा का भाव नजर आने लगा। उनके पास द्रमुक की विरासत का भार था, वह विरासत जिसने दशकों तक दक्षिण की राजनीति को आकार दिया और जिसके साथ आज की नई पीढ़ी भी जुड़ी थी। उन सबके सपने चूर-चूर हो गए। बता दें, द्रमुक तमिलों के विश्वास और दक्षिण के आत्मसम्मान से जुड़ा एक संदेश था। पर अब यही संदेश संदेह में बदलता दिखा, क्योंकि द्रमुक का झुकाव बीजेपी की तरफ नजर आने लगा है। जबकि कुछ समय पूर्व तक द्रमुक नेता परिसीमन के विरोध में बीजेपी के खिलाफ लगातार मोर्चा खोले हुए थे। लोकसभा की सीटें बढ़ाए जाने से भी द्रमुक नाराज था। द्रमुक अक्सर कहा करता था कि नया परिसीमन दक्षिण को नीचा दिखाने की साजिश है। इस मुद्दे पर उन्होंने झंडे उठाए, प्रदर्शन किए और संसद में काले कपड़े पहने। यह उनकी असहमति का प्रतीक था। इसी कारण समर्थक उम्मीद रखते थे कि द्रमुक कभी भी अपने मूल सिद्धांतों से समझौता नहीं करेगा। पर राजनीति में सिद्धांतों और संकल्पों के बीच अक्सर व्यावहारिक चुनौतियां आ जाती हैं। द्रमुक के कई पुराने साथी अब अलग खड़े दिखने लगे थे। कुछ नेता, जिनका व्यक्तिगत स्वार्थ और चालाकी लंबे समय से जमी हुई थी, उन्होंने अवसर देख लिया। कांग्रेस के दो विधायकों का मंत्री बन जाना सिर्फ एक संकेत था कि गठबंधन टिकाऊ नहीं रह पाया। और जब द्रमुक के सांसदों ने संसद में अलग बैठने की मांग की, तो बहुतों ने इसे रिश्तों में दरार का प्रतीक माना। मैदान में बैठी जनता भी विभाजित हो गई थी। कुछ स्टालिन के साथ थे, तो कुछ बोले कि यह निर्णय वक्त की मांग हो सकता है। भाजपा ने यह सब देखकर चुपचाप द्रमुक की सोच को परखना शुरू कर दिया।

बीजेपी की इस रणनीति को भेदभाव वाला नहीं कहा जा सकता। बीजेपी की नजर लगातार दक्षिण में ताकत बढ़ाने पर लगी थी। अगर द्रमुक केंद्र में सहयोग दे दे, तो इसे एक बड़ी जीत माना जाएगा। भाजपा को भी पता है कि यह आसान नहीं होगा। द्रमुक के लिए दो ऐसे प्रश्न थे, जिन पर समझौता असंभव जैसा दिखता है। पहला परिसीमन का मुद्दा और दूसरा दक्षिण के प्रतिनिधित्व का सिद्धांत। द्रमुक के समर्थक हमेशा दक्षिण की अस्मिता और अधिकार की बात करते रहे थे। इसलिए स्टालिन के लिए भाजपा के साथ नजदीकी बनाना एक जोखिम था, क्योंकि इससे उसके विश्वासपात्र और समर्थक नाराज हो सकते थे। लेकिन इतिहास इस बात का भी साक्षी है कि द्रमुक बीजेपी सरकार के साथ रह चुकी है। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय भी ऐसे मौके आए थे, पर तब की राजनीति और आज की राजनीति में जमीन अलग है। स्टालिन ने महसूस किया कि इतिहास बार-बार लौटता है, पर परिस्थितियां बदल जाती हैं। क्या वे पुराने रिश्तों को नए संदर्भ में जिंदा कर सकते हैं?

क्या यह उनके लिए राजनीतिक उत्तराधिकार का सवाल बन सकता है? बहरहाल, सूत्र बताते हैं कि उनके राजनीतिक सलाहकारों ने उनके सामने कई विकल्प रखे। कुछ ने कहा कि केंद्र के साथ कामकाजी रिश्ते बनाए जाएँ, समर्थन मुद्दों पर दिया जाए, पर खुले तौर पर गठबंधन न किया जाए। कुछ ने चेतावनी दी कि ऐसा करने पर पार्टी के पारंपरिक वोट बैंक में दरार आ सकती है।

झाड़ू का कॉकरोच प्रेम

सुधाकर आशावादी

अंततः झाड़ू ने स्पष्ट कर दिया कि वह किचन के सफाई अभियान में भाग नहीं लेगी, विशेषकर तब जब उसे कॉकरोच पर निर्ममतापूर्ण व्यवहार करने का आदेश दिया जाएगा। यानि झाड़ू कॉकरोच का साथ निभाएगी, उस पर आने वाली किसी भी विपदा से उसे बचाएगी। यह तो वही बात हुई जैसे सांप नेवले से कहे कि भाई दुश्मनी में क्या रखा है, आओ एकजुट हो जाएं यानि एक दूसरे के सुर में सुर मिलाएं। अपने यहाँ कब किसके प्रति किसके मन में प्यार उमड़ आए, पता नहीं लगाया जा सकता। सदियों से किचन में घुसपैठ करने वाले कॉकरोच परेशान थे, उनके अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह लगा था, उनके सम्मुख अस्तित्व बचाए रखने का संकट था। आखिर कब तक कॉकरोच चुप रहते, जुल्म सहते। कीटनाशक दवाओं के चलते बार बार बेहोश होकर या प्राण त्यागकर झाड़ू से घरों के बाहर कूड़े में फिकवाए जाते। सो उन्होंने झाड़ू से गुहार लगाना ही उचित समझा। झाड़ू स्वयं अपने दुःख से दुखी थी। उसके अस्तित्व पर स्वयं ही प्रश्नचिन्ह खड़े थे। उसका स्थान आधुनिक मशीनों ने जो ले लिया था। सफाई के लिए मशीनें जो आ गई थी। कॉकरोच की गुहार से झाड़ू की थमती हुई सांसों में नई जान आ गई। सूचना क्रांति के युग में झाड़ू संगठन सक्रिय हो गया , जिस झाड़ू संगठन पर कॉकरोच को धराशाई करने का दायित्व था। वह खुद को कॉकरोच सिद्ध करने में जुट गया। जिसे देखो वही खुद को कॉकरोच बताने लगा। कॉकरोच का स्लोगन लगाकर स्वच्छता के पैरोकार फेसबुक और इंस्टाग्राम की सडकों पर उतर आए। वाकई यह सुखद संयोग था, कि जब झाड़ू और कॉकरोच ने मिलकर होली खेलने का कार्यक्रम बनाया, दोनों एक ही कोरस गाने लगे, कि दुश्मन दुश्मन जो दोस्तों से भी प्यारा है। झाड़ू के संग कॉकरोच का रिश्ता पुराना है। भले ही उनके रिश्ते में कभी खटास आई हो, मगर अवसरवादी राजनीतिज्ञों की तरह रिश्तों में मिठास का दिखावा तो किया ही जा सकता है। वैसे भी आज के दौर में दुश्मनी स्थाई नहीं रह सकती। एक दूसरे को गालियाँ देकर एक दूसरे की जान के दुश्मन बने शत्रु न जाने कब एक दूसरे के सुर में सुर मिलाने लगें, कोई नहीं जानता। वे कब एक दूसरे के साथ चाय की चुस्कियां लेते हुए कहने लगें , कि तुमने मुझे गाली दी या ,मैंने तुम्हें गाली दी, कोई बात नहीं मेरे यार, एक दूसरे को गले लगाकर दोनों बन जाएं रंगे सियार। यही चल रहा है। जिस झाड़ू को कॉकरोच कभी नहीं सुहाया, वही झाड़ू कॉकरोच को संरक्षण प्रदान करने में स्वयं को खुसनसीब समझ रही है। कॉकरोच खुश हैं, विचार रहे हैं, कि वे भी बड़े आंदोलन को जन्म देकर सत्ता सुख भोग सकते हैं। जब झाड़ू और कॉकरोच में दोस्ती प्रगाढ़ हो जाए, तब उनकी भूमिका और भी अधिक असरकारी हो सकती है। *(विनायक फीचर्स)*

देश और यूपी में UPSC प्रीलिम्स परीक्षा आज: कड़ी सुरक्षा के बीच परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे लाखों अभ्यर्थी

हाई-टेक सुरक्षा घेरा: मुन्नाभाइयों को रोकने के लिए बायोमेट्रिक हाजिरी और जैमर तैनात

लखनऊ/नई दिल्ली।
देश की सबसे प्रतिष्ठित प्रशासनिक सेवा (IAS, IPS, IFS) में चयन के लिए संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) द्वारा आयोजित की जाने वाली सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 आज देश के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हो गई है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, आगरा, कानपुर, गोरखपुर और मेरठ जैसे बड़े शहरों में हजारों केंद्रों पर लाखों अभ्यर्थी देश के सबसे बड़े इम्तिहान में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।यह परीक्षा देश के प्रशासनिक ढांचे के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जिसके जरिए हर साल देश को नए नौकरशाह मिलते हैं। परीक्षा को पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और नकल

विहीन बनाने के लिए आयोग और स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।

UPSC प्रीलिम्स परीक्षा दो सत्रों (पालियों) में आयोजित की जा रही है:

प्रथम पाली (सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक):
इसमें सामान्य अध्ययन का पेपर संपन्न हुआ, जिसमें इतिहास, भूगोल, राजव्यवस्था, अर्थशास्त्र और समसामयिकी से जुड़े प्रश्न पूछे गए।

द्वितीय पाली (दोपहर 2:30 से 4:30 बजे तक):
इस सत्र में सिविल सेवा एप्टीट्यूड टेस्ट यानी सीसैट (CSAT) की परीक्षा हो रही है, जो कि एक क्वालिफाइंग पेपर है। आयोग के कड़े नियमों के तहत परीक्षा शुरू होने से ठीक 30 मिनट पहले यानी सुबह 9:00 बजे और दोपहर 2:00 बजे परीक्षा केंद्रों के मुख्य गेट बंद कर दिए गए। देर से पहुंचने वाले कई परीक्षार्थियों को केंद्रों में प्रवेश नहीं मिल सका, जिससे कुछ जगहों पर अभ्यर्थी मायूस नजर आए।

हाई-टेक सुरक्षा: बायोमेट्रिक हाजिरी और जैमर एक्टिवउत्तर प्रदेश सरकार और पुलिस प्रशासन ने परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए हैं।

डिजिटल सुरक्षा: परीक्षा केंद्रों के अंदर मोबाइल नेटवर्क और किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के इस्तेमाल को रोकने के लिए हाई-पावर जैमर लगाए गए हैं।

चिलचिलाती धूप और भीषण हीटवेव की बड़ी चुनौती

आज की परीक्षा में अभ्यर्थियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती उत्तर प्रदेश में पड़ रही रिकॉर्ड तोड़ गर्मी और लू रही। राज्य के अधिकांश हिस्सों में तापमान 44 से 46 डिग्री के बीच बना हुआ है।इस भीषण तपिश को देखते हुए परीक्षा केंद्रों पर प्रशासन और स्वयंसेवी संस्थाओं की तरफ से विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

अभ्यर्थियों के लिए ठंडे पेयजल, ग्लूकोज और ओआरएस (ORS) के पैकेट उपलब्ध कराए गए हैं।

साथ ही, किसी भी आपात स्थिति या अभ्यर्थी की तबीयत बिगड़ने पर प्राथमिक उपचार के लिए हर केंद्र पर मेडिकल स्टाफ और डॉक्टरों की टीम को मुस्तैद रखा गया है।

बरेली क्लब में सजा ग्लैमर का मंच, आद्या सिंह बनीं मई क्वीन

बरेली।
उत्तर प्रदेश के बरेली जनपद में बरेली क्लब में शनिवार की बीती रात ग्लैमर, आत्मविश्वास और प्रतिभा का ऐसा रंग जमा कि देर रात तक दर्शकों की नजरें मंच से नहीं हट सकीं। आकर्षक रोशनी, तेज संगीत और तालियों की गूंज के बीच आयोजित मई क्वीन बाल 2026 प्रतियोगिता में आद्या सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का ताज अपने नाम कर लिया। प्रतियोगिता के अंतिम परिणाम घोषित होने तक दर्शकों में उत्सुकता बनी रही।

प्रतियोगिता में कुल 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम को तीन चरणों में आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों की सुंदरता के साथ-साथ व्यक्तित्व, प्रतिभा और आत्मविश्वास को भी परखा गया। पहले राउंड में प्रतिभागियों ने रैंप वॉक के जरिए अपने अंदाज और स्टाइल का प्रदर्शन किया। इसके बाद टैलेंट राउंड में किसी ने शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया तो किसी ने गीत और कविता से दर्शकों को प्रभावित किया।

कार्यक्रम का सबसे रोमांचक हिस्सा प्रश्नोत्तरी राउंड रहा। इसमें प्रतिभागियों से अलग-अलग विषयों पर सवाल पूछे गए, जिनके जवाब में उनकी समझ, आत्मविश्वास और मंच संचालन क्षमता को परखा गया। आद्या सिंह ने अपने संतुलित जवाबों और प्रभावशाली प्रस्तुति से निर्णायकों को खासा प्रभावित किया। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्होंने प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया।

कड़े मुकाबले के बाद अनुष्का आनंद को फर्स्ट रनरअप और श्वेता सिंह को सेकंड रनरअप घोषित किया गया। विजेताओं को उत्तर भारत क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल डीजी मिश्रा तथा वर्ष 2024 की मई क्वीन प्राची सिंह वधावन ने ताज पहनाकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के दौरान वर्ष 1999 की मई क्वीन विजेता प्रियंका चोपड़ा का जिक्र भी खूब हुआ। आयोजकों और मेहमानों ने कहा कि इसी मंच से प्रियंका ने अपने ग्लैमर सफर की शुरूआत की थी और बाद में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। प्रतियोगिता में कई विशेष खिताब भी दिए गए।

आद्या मिश्रा को मिस फोटोजेनिक, ऐश्वर्या राय को मिस रैंप वॉक, हर्षिता नेगी को मिस टैलेंटेड, मानसी भदौरिया को मिस फैशन आइकन, महिमा सिंह को मिस इंटेलेक्चुअल, मोनिका थापा को मिस चार्मिंग और उन्नति देवा को मिस ब्यूटीफुल हेयर चुना गया।

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत चार दिवसीय प्रवास पर लखनऊ पहुंचे

लखनऊ।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन राव भागवत चार दिवसीय प्रवास पर लखनऊ पहुंच गए हैं। सरसंघचालक सरस्वती कुंज निरालानगर में चल रहे पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के कार्यकर्ता विकास वर्ग प्रथम में प्रशिक्षण लेने आए कार्यकताओं का प्रबोधन करेंगे। इस वर्ग में सरसंघचालक का बौद्धिक होगा। वो प्रवचन सत्र में भी शामिल होंगे। डॉ. मोहन राव भागवत 26 मई तक इस वर्ग में

रहेंगे।

निराला नगर में चल रहे कार्यकर्ता विकास वर्ग प्रथम में नेपाल राष्ट्र सहित अवध, कानपुर, गोरक्ष व काशी प्रांत के 289 कार्यकर्ता प्रशिक्षण ले रहे हैं। इस वर्ग के वर्ग कार्यवाह देवेंद्र अस्थान, वर्ग पलक क्षेत्र के बौद्धिक शिक्षण प्रमुख मिथिलेश नारायण और सह वर्ग कार्यवाह रासबिहार बनाए गए हैं।

वहीं क्षेत्र प्रचारक अनिल पूरा समय वर्ग में उपस्थित रहकर दे रहे हैं।

उप्र में पीडब्ल्यूडी के कार्यों में पारदर्शिता, गति और उच्च गुणवत्ता के कड़े निर्देश और नई गाइडलाइंस जारी

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के कार्यों में पारदर्शिता, गति और उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कड़े निर्देश और नई गाइडलाइंस जारी की हैं। सरकार ने हाल ही में विभाग में भ्रष्टाचार को रोकने, परियोजनाओं में हो रही देरी को खत्म करने और अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के लिए नियमावली में

कई अहम बदलाव किए हैं।

गुणवत्ता, समयबद्धता और सख्त जवाबदेही
प्रमुख सचिव अजय चौहान की ओर जारी पत्र में बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर सख्त निर्देश दिए थे कि सभी विकास कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर ही पूरे होने चाहिए। कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

लापरवाही बरतने वाले अफसरों और ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

इस संबंध में मुख्य अभियंता (विकास) एवं विभागाध्यक्ष पीडब्ल्यूडी को पत्र भेज दिया गया है। प्रत्येक जिले की स्थानीय और वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप ही विकास प्रस्ताव और योजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्राकृतिक आपदाओं और आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए ब्लॉक, तहसील और जिला मुख्यालय स्तर पर हेलीपैड निर्माण के निर्देश भी दिए गए हैं।

लखनऊ में क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन का आयोजन: आधुनिक तकनीकों पर विशेषज्ञों का मंथन

लखनऊ:
उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आज उत्तर जोन का क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में कृषि क्षेत्र के विशेषज्ञ और अधिकारी नई तकनीकों और नवाचारों पर विस्तार से चर्चा कर रहे हैं। सम्मेलन का मुख्य केंद्र बिंदु यह है कि कैसे आधुनिक उपकरणों और वैज्ञानिक विधियों के माध्यम से कृषि पैदावार को बढ़ाया जाए और किसानों की समस्याओं का समाधान किया जाए। इस आयोजन के माध्यम से नई तकनीकों को जमीनी स्तर तक पहुँचाने की योजना तैयार की जा रही है।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे की तैयारियों का जायजा: अधिकारियों ने किया निरीक्षण

उन्नाव/लखनऊ:
लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के आगामी उद्घाटन को लेकर प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में उन्नाव और आसपास के जिलों के जिलाधिकारी (DM) और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) ने संयुक्त रूप से एक्सप्रेसवे की सुरक्षा और तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने जमीनी स्तर पर जाकर सुरक्षा व्यवस्थाओं, ट्रैफिक प्लान और निर्माण कार्य की प्रगति को देखा। प्रशासन का प्रयास है कि उद्घाटन से पहले सभी सुरक्षा मानकों और तकनीकी सुविधाओं को सुव्यवस्थित कर लिया जाए।

तालाबों को पुनर्जीवित करने के लिए डीएम-एसपी ने फावड़ा चलाकर कार्य का किया शुभारंभ

विकसित भारत जी -रामजी योजना के अंतर्गत कराया जाएगा तालाबों को पुनर्जीवित

फतेहपुर।
जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स व पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने मिशन 300 के अंतर्गत तहसील खागा के विकास खंड ऐराया अंतर्गत ग्राम सभा सेमौरी में तालाब को पुनर्जीवित व वास्तविक स्वरूप प्रदान करने के लिए फावड़ा चलाकर कार्य का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस मिशन के तहत सभी ब्लाकों में पहले चरण में 25-25 तालाबों को चिन्हित किया जाएगा यदि तालाब अतिक्रमणयुक्त है तो पहले उनको अतिक्रमणमुक्त कराते हुए तालाब को विकसित भारत जी रामजी के तहत पुनर्जीवित व वास्तविक स्वरूप प्रदान किया जाएगा, जिसमें क्षेत्रीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

उन्होंने उपायुक्त श्रम रोजगार व खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिया कि मिशन 300 के तहत तालाबों को चिन्हित कर उन्हें अतिक्रमणमुक्त कराते हुए पुनर्जीवित कर वास्तवित स्वरूप प्रदान किया जाय, जिससे कि जनपद में जल संरक्षण को बल मिलेगा और जनपद के विकास को रफ्तार भी मिलेगी, इस कार्य को बरसात से पहले करा लिया जाय।

पोल पर चढ़ने वाले कर्मी की करंट से मौत का मामला

जूनियर इंजीनियर के निलम्बन आदेश पर रोक

प्रयागराज।
इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने विद्युत केंद्र आवास विकास प्रयागराज के जूनियर इंजीनियर अभय कुमार यादव के निलम्बन आदेश पर रोक लगा दी है और राज्य सरकार व बिजली विभाग से याचिका पर जवाब मांगा है। कोर्ट ने याची के खिलाफ विभागीय अनुशासनात्मक कार्यवाही यदि है तो पूरी करने का निर्देश दिया है। याचिका की अगली सुनवाई 5 अगस्त को होगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति दिनेश पाठक ने दिया है। याची का कहना था कि आउटसोर्सिंग पर रखे संविदा कर्मी रवि शंकर कुशवाहा ने बिजली मरम्मत के लिए बिना विधिक अधिकार के रामू कुशवाहा को पोल पर चढ़ने दिया। करंट लगने से उसकी मौत हो गई। याची का कहना है कि इस घटना से उसका सीधा संबंध नहीं है। यदि उसका दोष साबित भी हो जाता है तो उसे बड़ा दंड नहीं मिलेगा। हाईकोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि छोटे दंड के मामले में जांच के लिए निलम्बित करना जरूरी नहीं है। निलम्बन आदेश जारी करते समय पत्रावली और आरोप की गंभीरता पर विचार करना चाहिए था।

अज्ञात महिला का शव गंगा किनारे मिला

मीरजापुर।
उत्तर प्रदेश में मीरजापुर जिले की चुनार कोतवाली क्षेत्र के जलालपुर माफी गांव के पास गंगा किनारे शनिवार देर रात 32 वर्षीय अज्ञात महिला का शव मिला। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना प्रभारी विजय शंकर सिंह पटेल ने रविवार को बताया कि स्थानीय लोगों ने गंगा किनारे महिला का शव दिखाई दिया।इसकी सूचना पुलिस को दी गई । सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर शव की पहचान कराने का प्रयास किया गया, लेकिन देर शाम तक महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी।

किशोरी की हत्या कर शव झोपड़ी के पास फेंका, जांच में जुटी पुलिस

मीरजापुर।
पड़री थाना क्षेत्र के दुबेपुर बसारी गांव में रविवार सुबह एक किशोरी का शव मिला। शरीर पर चोट के ?गहरे निशान मिलने के बाद हत्या की आशंका जताई है। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। एसपी अपर्णा रजत कौशिक, एएसपी नितेश सिंह, एडीएम सदर महेंद्र प्रताप सिंह, नायब तहसीलदार पहाड़ी अरविंद पाण्डेय, सीओ सदर मुनेंद्र सिंह, थाना प्रभारी पड़री प्रदीप सिंह, महिला थाना प्रभारी ज्ञानूप्रिया

तथा चील्ह थाना प्रभारी रवेंद्र भूषण मौर्य सहित कई थानों की पुलिस फोर्स मौजूद रही।

एसपी ने बताया कि मोहन विंद की पुत्री कविता (15) शनिवार रात घर में अपनी दो भाभियों के साथ सोई थी। रात करीब 11:30 से 12 बजे के बीच परिजन की आंख खुली तो वह बिस्तर पर नहीं थी। इसके बाद परिजनों ने अनहोनी की आशंका में रात भर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। रविवार सुबह काम पर जा रहे मजदूरों ने दुबेपुर बसारी गांव स्थित एक मड़ई (झोपड़ी) के पास किशोरी का शव देखा। सूचना पर पहुंचे परिजन ने शव की पहचान कविता के रूप में की। मृतका के गले और होठ पर कटे व चोट के गहरे निशान पाए गए हैं। शव की स्थिति देखकर गला दबाकर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए आईजी आरपी सिंह ने भी थाने पहुंचकर अधिकारियों से घटना के बारे में जानकारी ली और पुलिस टीम को जल्द खुलासा करने के निर्देश दिए।

एसपी ने बताया कि आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी कर उनके खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच की जा रही है।

जंगल से भटककर गांव पहुंची मादा तेंदुए की मौत, जांच में जुटा वन विभाग

बलरामपुर।
जनपद में सोहेलवा वन्यजीव प्रभाग के बनकटवा रेंज क्षेत्र में रविवार को जंगल से भटककर गांव के पास पहुंची मादा तेंदुए की शव मिली है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने पहुंच शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई में जुटी है।

मामला बनकटवा रेंज अंतर्गत चौधरीडीह गांव के दक्षिण दिशा में स्थित जंगल क्षेत्र की है। रविवार सुबह जंगल से निकलकर एक मादा तेंदुआ गांव की तरफ पहुंच गई। इसी दौरान गांव के निकट

स्थित एक आम के बाग में लगे सुरक्षा तार के बीच उसकी गर्दन फंस गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेंदुआ तार में फंसने के बाद काफी देर तक निकलने के लिए संघर्ष करती रही। वह लगातार खुद को छुड़ाने की कोशिश करती रही,लेकिन गर्दन बुरी तरह तार में फंस जाने के कारण वह बाहर नहीं निकल सकी। वहीं उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना तत्काल ग्रामीणों ने वन विभाग को दी। सूचना मिलने पर वन क्षेत्राधिकारी शत्रोहन लाल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

वन विभाग की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक कार्रवाई करते हुए मादा तेंदुए के शव को कब्जे में लेकर बनकटवा रेंज कार्यालय पहुंचाया।

विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी ने एमएनसीयू भवन का किया शिलान्यास

वाराणसी।
वाराणसी में दक्षिणी विधानसभा के विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रेरणा से कबीरचौरा स्थित राजकीय जिला महिला चिकित्सालय में दो महीने में पूरी तैयारी हुई और अब मदर न्यू बोर्न केयर यूनिट (एमएनसीयू) भवन का शिलान्यास हुआ है। डीपीआर बनाकर 24 बेड के एमएनसीयू के आधुनिक भवन को जल्द बनाया जायेगा। मुझे प्रसन्नता हो रही है कि शहर दक्षिणी के भीतर जिला महिला चिकित्सालय में यह एमएनसीयू भवन निर्माण होने जा रहा है। जिससे पैदा होने वाले बच्चों का खास देखभाल किया जा सकेगा।

विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी ने रविवार को शिलान्यास कार्यक्रम में कहा कि डॉ आर एन सिंह ने एमएनसीयू भवन के संबंध में वार्ता की थी और आज एमएनसीयू भवन का शिलान्यास हो गया है। इसी के बगल में मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल भी बनेगा, जिसका शिलान्यास हो चुका है। जो वाराणसी दक्षिणी के साथ ही स्थानीय लोगों के बीच में भी सभी सुविधाओं वाला हॉस्पिटल के रूप में मिलेगा।

चिकित्सा के क्षेत्र में दक्षिणी विधानसभा का कोई व्यक्ति यहां वहां भटकेगा नहीं, अब उपचार लेगा।

राजन श्रीवास्तव काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलसचिव नियुक्त, कुलपति प्रो अजित कुमार चतुर्वेदी ने दी बधाई

वाराणसी ।
राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान, जायस, अमेठी में कुलसचिव (डेप्युटेशन) के पद पर कार्यरत तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (काशी हिंदू विश्वविद्यालय), वाराणसी के संयुक्त कुलसचिव (प्रशासन) राजन श्रीवास्तव का चयन काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के कुलसचिव पद पर हुआ है। उनकी नियुक्ति को उच्च शिक्षा प्रशासन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है । रविवार को यह जानकारी बीएचयू जनसंपर्क कार्यालय ने दी । बताया गया कि लगभग तीन दशकों के समृद्ध प्रशासनिक अनुभव से संपन्न राजन श्रीवास्तव उच्च शिक्षा प्रशासन एवं वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में अपनी दक्षता, कार्यकुशलता और नेतृत्व क्षमता के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी में विभिन्न महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं वित्तीय दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। वे आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी में कार्यवाहक कुलसचिव के रूप में लगभग साढ़े चार वर्षों तक, 7 जुलाई 2025 तक, अपनी सेवाएँ दे चुके हैं।

राजन श्रीवास्तव ने अपने प्रशासनिक सेवा जीवन की शुरूआत वर्ष 1996 में काशी हिंदू विश्वविद्यालय में सहायक कुलसचिव के रूप में की थी। वर्ष 2009 में उन्हें बीएचयू में उप कुलसचिव पद पर पदोन्नत किया गया। इसके उपरांत वर्ष 2012 में वे उप कुलसचिव के रूप में आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी से जुड़े। वर्ष 2014 से वे संयुक्त कुलसचिव के रूप में संस्थान के प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्यों का दायित्व संभाल रहे थे। उनके नेतृत्व एवं प्रशासनिक दृष्टिकोण से संस्थान की प्रशासनिक प्रक्रियाओं, सुशासन व्यवस्था तथा प्रणालीगत सुदृढ़ीकरण में उल्लेखनीय सुधार हुए।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व राजन श्रीवास्तव का चयन अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर के कुलसचिव पद पर भी हुआ था, हालांकि उन्होंने वहाँ कार्यभार ग्रहण नहीं किया। इसके बाद उन्होंने 7 मार्च 2026 को राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान, जायस, अमेठी में कुलसचिव पद का कार्यभार संभाला।

उनकी नई नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अजीत कुमार चतुर्वेदी ने राजन श्रीवास्तव को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

उन्होंने कहा कि श्रीवास्तव एक प्रतिबद्ध, अनुभवी एवं कुशल प्रशासक हैं, जिनका प्रशासनिक एवं वित्तीय शासन में योगदान अत्यंत सराहनीय रहा है।

सेबी ने कर्मचारियों को हफ्ते में एक दिन घर से काम की दी सलाह

बाजार नियामक ने सम्मेलनों और गैर-जरूरी यात्रा से बचने को भी कहा

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बचत की अपील के बाद बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने ऊर्जा संरक्षण और मौजूदा भू-राजनीतिक हालात के मद्देनजर बड़ा कदम उठाया है। सेबी ने अपने कर्मचारियों को अगले आठ हफ्तों के लिए हफ्ते में एक दिन घर से काम करने की सलाह दी है। यह कदम 25 मई से प्रभावी होगा। सेबी ने अपनी प्रशासनिक सलाह में कहा है कि ग्रेड ए से सी तक के अधिकारियों को रोटेशन के आधार पर यह सुविधा मिलेगी, जबकि ग्रेड डी और उससे ऊपर के अधिकारी, चेयरमैन/पूर्णकालिक सदस्यों के कार्यालयों में तैनात कर्मचारी तथा सेक्रेटेरियल कैडर के सभी कर्मचारी नियमित रूप से कार्यालय आएंगे। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी समय ग्रेड ए से सी तक के कम से कम 50 प्रतिशत अधिकारी कार्यालय में मौजूद रहें। ऊर्जा बचाने के अन्य उपायों के तहत, सेबी ने विभागों को अगले आठ हफ्तों के लिए सम्मेलनों और विचार-मंथन कार्यक्रमों को टालने तथा गैर-जरूरी यात्रा से बचने का निर्देश दिया है। कर्मचारियों को सार्वजनिक परिवहन, कारपूलिंग और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहित किया गया है, साथ ही हितधारकों के साथ वर्चुअल बैठकें करने की सलाह दी गई है। घर से काम करने वाले कर्मचारियों के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी जारी की गई है, जिसकी आठ हफ्ते बाद समीक्षा की जाएगी।

एलआईसी की रणनीति का दिख रहा असर, नॉन-पार पॉलिसियों ने बढ़ाया वीएनबी

मजबूत चौथी तिमाही के प्रदर्शन के बाद बीमा कंपनी के शेयर में उछाल

नई दिल्ली।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) अपनी पॉलिसी रणनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव कर रहा है, जिसके तहत कंपनी अब ज्यादा सम-एश्योर्ड और नॉन-पार्टिसिपेटिंग (नॉन-पार) पॉलिसियों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इस रणनीतिक बदलाव का सकारात्मक असर मार्च तिमाही के वित्तीय परिणामों में साफ दिखाई दिया है, जहाँ कंपनी के नए बिजनेस के मूल्य (वीएनबी) मार्जिन में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया। इस शानदार प्रदर्शन के बाद, प्रमुख ब्रोकरेज फर्मों ने एलआईसी के लिए अपने कमाई के अनुमान और कीमत लक्ष्य बढ़ा दिए हैं, जिससे निवेशकों में उत्साह बढ़ा है और कंपनी के शेयर में भी तेजी देखी गई।

एलआईसी के रणनीतिक बदलाव ने मार्च तिमाही में उसके वित्तीय स्वास्थ्य को काफी मजबूती दी है। एमके ग्लोबल के अनुसार, चौथी तिमाही में एलआईसी का वीएनबी मार्जिन 25.7 प्रतिशत रहा, जो उनके 20.5 प्रतिशत के अनुमान से काफी अधिक था। इस मजबूत प्रदर्शन के बाद, ब्रोकरेज फर्म ने वित्त वर्ष 2027 और 2028 के लिए वीएनबी मार्जिन अनुमानों को 200-240 आधार अंक तक बढ़ाया है, जिससे इन वर्षों के लिए वीएनबी अनुमानों में 15-16 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है।

जेएम फाइनैंशियल ने वित्त वर्ष 2026 में मार्जिन में 360 आधार अंक की बढ़ोतरी का मुख्य श्रेय अनुकूल पॉलिसी मिश्रण को दिया है। प्रबंधन ने इस बात पर जोर दिया कि नॉन-पार सेगमेंट एलआईसी का सबसे अधिक लाभदायक व्यवसाय बना हुआ है, जिसने वित्त वर्ष 2026 में कुल वीएनबी में 53 प्रतिशत का योगदान दिया। जेएम फाइनैंशियल का अनुमान है कि व्यक्तिगत नॉन-पार बिजनेस के लिए मार्जिन 49 प्रतिशत, पार बिजनेस के लिए 12 प्रतिशत और ग्रुप बिजनेस के लिए 11 प्रतिशत रहेगा, जो कंपनी के व्यावसायिक मिश्रण की लाभदायकता को दर्शाता है। हालांकि, इक्विटी बाजारों में लगभग 10 प्रतिशत की गिरावट के कारण चौथी तिमाही में एलआईसी की एम्बेडेड वैल्यू (ईवी) में 6.2 प्रतिशत की कमी आई, जो 7.89 लाख करोड़ रुपये रही। यह सालाना आधार पर सिर्फ 1.6 प्रतिशत ज्यादा थी। एमके ग्लोबल ने बताया कि ईवी पर नकारात्मक आर्थिक बदलावों और परसिस्टेंसी व खर्चों से जुड़ी परिचालन धारणाओं में बदलावों का असर पड़ा। इसके बावजूद, जेएम फाइनैंशियल को उम्मीद है कि एलआईसी एम्बेडेड वैल्यू पर 11-12 प्रतिशत का परिचालन प्रतिफल देगी और वित्त वर्ष 2026-2028 के दौरान ईवी 14 प्रतिशत सीएजीआर की दर से बढ़ेगी। शुक्रवार को एलआईसी का शेयर 1.58 प्रतिशत बढ़कर 813.35 रुपये पर बंद हुआ।

कच्चे कपास पर 11 फीसदी आयात शुल्क हटाएगी सरकार टेक्सटाइल सेक्टर को मिलेगी राहत

नई दिल्ली।

कच्चे कपास की सभी किस्मों पर लागू 11 प्रतिशत आयात शुल्क को अस्थायी रूप से हटाने की तैयारियां जोर पकड़ रही हैं। सूत्रों के अनुसार सरकार 1 जुलाई से 31 अक्टूबर 2026 तक चार महीने की अवधि के लिए यह शुल्क हटाने पर विचार कर रही है, जिसका उद्देश्य वस्त्र उद्योग को तत्काल राहत प्रदान करना है। हालांकि, इस कदम के संभावित प्रभावों को लेकर सरकारी मंत्रालयों और हितधारकों के बीच मंथन जारी है, जहाँ टेक्सटाइल क्षेत्र राहत की उम्मीद कर रहा है, वहीं किसानों के हितों की रक्षा को लेकर चिंताएं भी उठाई जा रही हैं। वस्त्र उद्योग लंबे समय से इस शुल्क को हटाने की वकालत कर रहा है। उनका कहना है कि घरेलू कपास की कम पैदावार और पश्चिम एशिया संकट के कारण बढ़ी कीमतों के मद्देनजर यह कदम क्षेत्र को तत्काल राहत देगा और वैश्विक बाजारों में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाएगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय जैसे नेताओं ने भी नौकरियों के नुकसान और घरेलू उद्योग की सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री से इसे रद्द करने का आग्रह किया है। उद्योग का मानना है कि मौजूदा शुल्क उत्पादन लागत बढ़ाता है और सिंथेटिक फाइबर की ओर अनावश्यक झुकाव पैदा करता है, क्योंकि उस पर शुल्क छूट मिलती है। वहीं सरकार के कुछ अधिकारियों और कपास व्यापार से जुड़े वर्गों का तर्क है कि सीमित समय के लिए शुल्क हटाने से किसानों पर कोई बड़ा नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

उनका यह भी कहना है कि निर्यातक एडवांस लाइसेंस स्कीम के तहत शून्य शुल्क पर आयात कर सकते हैं, इसलिए निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बाधित होने का तर्क निराधार है। इन वर्गों को पिछली बार शुल्क हटाने के अनुभव से डॉलर के बहिर्वाह (1.1-1.2 अरब डॉलर) और खरीफ बुवाई से ठीक पहले किसानों के हितों को नुकसान पहुंचने का डर है, खासकर उन किसानों के लिए जिन्होंने बेहतर कीमतों की उम्मीद में लगभग 40 लाख गांठें रोक रखी हैं।

सुजलॉन एनर्जी को मिला एक और बड़ा ऑर्डर, रॉकेट बनेगा कंपनी का शेयर

मुंबई।

विंड एनर्जी बनाने वाली भारत की प्रमुख कंपनी सुजलॉन एनर्जी को सनश्योर एनर्जी से 195 मेगावाट का एक नया और महत्वपूर्ण ऑर्डर मिला है। यह एक 'रिपीट ऑर्डर' है, जो सुजलॉन के पिछले काम से सनश्योर एनर्जी की संतुष्टि को दिखाता है। इस नए ऑर्डर के साथ, सुजलॉन के खास 3 मेगावाट प्लेटफॉर्म वाले विंड टर्बाइनों की कुल बिक्री अब करीब 9 गीगावाट (गीगावाट) तक पहुंच गई है, जो कंपनी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह प्रोजेक्ट कर्नाटक के बीजापुर जिले में स्थापित होगा, जहां सुज़लॉन हवा से बिजली बनाने वाले 65 अत्याधुनिक टर्बाइन लगाएगी, जिसमें से प्रत्येक की क्षमता 3 मेगावाट है। कंपनी इन मशीनों की आपूर्ति के साथ-साथ उनके इंस्टॉलेशन, कमीशनिंग और उसके बाद के ऑपरेशन व मेंटेनेंस (ओक्यूएम) का पूरा जिम्मा भी संभालेगी। इस ऑर्डर के जुड़ने से अब कर्नाटक में सुज़लॉन के पास कुल मिलाकर 2 गीगावाट से भी ज्यादा के प्रोजेक्ट्स का काम आ चुका है, जो इस दक्षिणी राज्य में उसकी मजबूत उपस्थिति को दर्शाता है।

दवा और आभूषण क्षेत्र को मिली आईपीओ की सौगात, सेबी ने दी मंजूरी

कोटेक हेल्थकेयर 295 करोड़ और दीपा ज्वेलर्स 250 करोड़ रुपये का नया निर्गम लाएगी

नई दिल्ली।

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने दवा क्षेत्र की कोटेक हेल्थकेयर और आभूषण क्षेत्र की दीपा ज्वेलर्स को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की मंजूरी दे दी है, जिससे दोनों कंपनियों के लिए पूंजी जुटाने का रास्ता साफ हो गया है। इन कंपनियों ने पहले ही अपने मसौदा दस्तावेज (डीआरएचपी) सेबी के पास दाखिल किए थे और हाल ही में नियामक से आवश्यक टिप्पणियां प्राप्त कीं, जिसे आईपीओ लाने की अनुमति माना जाता है। कोटेक हेल्थकेयर का आईपीओ 295 करोड़ रुपये तक के नए शेयर निर्गम के साथ-साथ 60 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का प्रस्ताव है। कंपनी इस पूंजी का उपयोग नई परियोजनाएं स्थापित करने, मौजूदा उत्पादन क्षमता बढ़ाने और नए उत्पाद बनाने में करेगी, जिसके लिए 226.25 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। शेष राशि सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए खर्च होगी। वहीं दीपा ज्वेलर्स का आईपीओ 250 करोड़ रुपये के नए निर्गम और 1,18,48,340 शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इस ओएफएस में प्रवर्तक अशोक अग्रवाल और सीमा अग्रवाल अपने शेयर बेचेंगे। यह मंजूरी इन कंपनियों को बाजार से पूंजी जुटाने और अपनी विस्तार योजनाओं को गति देने का अवसर प्रदान करेगी।

भारतीय शेयर बाजार में पूरे हफ्ते दिखा उतार-चढ़ाव का खेल

भारी बिकवाली के बीच भी दिखी खरीदारी की चमक, कुछ सेक्टरों ने दी संजीवनी

मुंबई।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए अत्यधिक उतार-चढ़ाव और अप्रत्याशित झटकों से भरा रहा, जहां वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और घरेलू आर्थिक संकेतकों ने बाजार की चाल तय की। निवेशकों को हर दिन बाजार की शुरुआती गिरावट और फिर दिन के अंत में शानदार रिकवरी या इसके विपरीत शुरुआती तेजी के बाद सुस्त समापन जैसे नाटकीय परिवर्तन देखने को मिले। पश्चिमी एशिया में तनाव, कच्चे तेल की कीमतें, डॉलर के मुकाबले रुपये की रिकॉर्ड गिरावट और विदेशी फंड के प्रवाह जैसे कारकों ने बाजार की दिशा को लगातार प्रभावित किया, जिससे यह सप्ताह वैश्विक संकेतों और घरेलू लचीलेपन के बीच झूलता रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज लाल निशान के साथ खुला, जहां सेंसेक्स 900 से अधिक अंक और निफ्टी 255 से अधिक अंक गिर गया। डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया अपने रिकॉर्ड निचले स्तर 96.33 पर पहुंच गया, जिसने निवेशकों की चिंता और बढ़ा दी। हालांकि, बाजार ने दिन के अंत तक जबरदस्त वापसी करते हुए निवेशकों को चौंका दिया। सेंसेक्स मामूली रूप से 77.05 अंकों की वृद्धि दर्ज कर हरे निशान पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी में भी 6.45 अंकों की बढ़त रही। मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर नियोजित सैन्य हमले रोकने और समझौते की संभावना जताने की खबर ने बाजार में एक नई उम्मीद जगाई। इस सकारात्मक खबर के दम पर भारतीय शेयर बाजार ने शुरुआती कारोबार में जोरदार तेजी दर्ज की। सेंसेक्स 366.71 अंक उछलकर 75,706.88 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी में भी 107.45 अंकों की बढ़त दर्ज हुई। लेकिन यह तेजी भी दिन के अंत तक कायम नहीं रह पाई। शुरुआती बढ़त गंवाकर दोनों प्रमुख सूचकांक लाल निशान पर बंद हुए, सेंसेक्स 75,200.85 और निफ्टी 23,618.00 पर कारोबार समाप्त हुआ। बुधवार को भारतीय शेयर बाजार एक बार फिर भारी बिकवाली के दबाव में खुले। बाजार विशेषज्ञों ने कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, कमजोर होती मुद्रा और महंगाई की चिंताओं को निवेशकों की धारणा पर भारी पड़ने वाला बताया।

निफ्टी 50 और बीएसई सेंसेक्स दोनों में शुरुआती कारोबार में बड़ी गिरावट दर्ज हुई। हालांकि, प्रमुख एशियाई बाजारों में छाई सुस्ती और कमजोरी के बावजूद, भारतीय बाजारों ने जबरदस्त लचीलापन दिखाया। तेल व गैस, ऑटो और वित्तीय क्षेत्र के शेयरों में हुई जोरदार खरीदारी के दम पर घरेलू सूचकांकों ने दिन के निचले स्तरों से शानदार रिकवरी की और अंततः हरे निशान में बंद होने में सफल रहा। सेंसेक्स 117.54 अंकों की बढ़त के साथ 75,318.39 और निफ्टी 41 अंकों की बढ़त के साथ 23,659 पर बंद हुआ। गुरुवार की स्थिरता और शुक्रवार का सकारात्मक समापन गुरुवार को पश्चिम एशिया संघर्ष के जल्द समाप्त होने की उम्मीदों के बीच तेल की कीमतों में नरमी और वैश्विक बाजारों में आई तेजी के कारण बेंचमार्क इक्विटी सूचकांकों में शुरुआती तेजी देखी गई। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ने अच्छी बढ़त के साथ कारोबार शुरू किया। हालांकि, दिन का अंत बेहद सुस्त माहौल में हुआ। पूरे दिन के उतार-चढ़ाव के बाद दोनों प्रमुख सूचकांक लगभग सपाट स्तर पर बंद हुए, सेंसेक्स 135.03 अंक टूटकर 75,183.36 पर और निफ्टी महज 4.30 अंकों की मामूली गिरावट के साथ 23,654.70 पर सेटल हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को ईरान तनाव में नरमी की उम्मीद और वैश्विक आशावाद के चलते भारतीय बाजारों में तेजी जारी रही। प्रमुख एशियाई सूचकांकों में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम पर बिना रिस्‍ क हर महीने 10,000 पाएं

बाजार जोखिम से मुक्त, 7.4 फीसदी सालाना ब्याज दर के साथ

नई दिल्ली।

अगर आप भी एक गारंटीड और सुरक्षित निवेश की तलाश में हैं, जो नियमित मासिक आय दे सके, तो पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम (पीओएमआईएस) आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है। यह स्कीम विशेष रूप से रिटायर लोगों और बाजार के जोखिम से मुक्त आय चाहने वालों के लिए बेहद लोकप्रिय है। पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम उन निवेशकों के लिए एक सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प है जो अपने निवेश पर नियमित मासिक आय चाहते हैं। यह स्कीम बाजार के उतार-चढ़ाव से पूरी तरह अप्रभावित रहती है, जिससे आपका मूलधन सुरक्षित रहता है और आपको तय ब्याज दर पर आय मिलती है। वर्तमान में पीओएमआईएस पर 7.4 फीसदी वार्षिक ब्याज दर मिल रही है, जिसका भुगतान हर महीने सीधे आपके खाते में किया जाता है। इस योजना में निवेश की सीमा निर्धारित की गई है। आप एकल खाते में अधिकतम 9 लाख रुपये तक जमा कर सकते हैं, जबकि संयुक्त खाते में यह सीमा बढ़कर 15 लाख रुपये हो जाती है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यदि आपके कई एमआईएस खाते हैं, तब भी सभी खातों में कुल जमा राशि निर्धारित सीमा से अधिक नहीं होनी चाहिए। यदि आप एक संयुक्त खाते के माध्यम से

अधिकतम 15 लाख रुपये का निवेश करते हैं, तो मौजूदा 7.4 फीसदी ब्याज दर के अनुसार आपको हर महीने लगभग 9,250 रुपये की नियमित आय प्राप्त होगी। इस तरह, 5 साल में आप ब्याज के रूप में कुल करीब 5,55,000 रुपये कमा सकते हैं, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। यह स्कीम उन लोगों के लिए आदर्श है जो रिटायरमेंट के बाद या किसी अन्य कारण से अपनी आय का एक स्थायी स्रोत सुनिश्चित करना चाहते हैं।

चुनौतियों के बावजूद चमकेगा पूंजीगत वस्तु उद्योग क्रिसिल

नई दिल्ली।

रेटिंग फर्म क्रिसिल रेटिंग्स ने अनुमान लगाया है कि बाहरी चुनौतियों के बावजूद भारतीय पूंजीगत वस्तु उद्योग चालू वित्त वर्ष में 12-14 प्रतिशत की मजबूत दर से बढ़ेगा। फर्म के अनुसार सरकारी पूंजीगत व्यय और विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में बढ़ते विस्तार से इस वृद्धि को गति मिलेगी। क्रिसिल रेटिंग्स द्वारा हाल ही में जारी एक` रिपोर्ट में कहा गया है कि बिजली, खनन, तेल और गैस, धातु और वाहन जैसे क्षेत्रों में क्षमता का लगातार विस्तार पूंजीगत सामान की मांग को बढ़ाएगा। इसके अतिरिक्त, देश में डेटा सेंटरों के निर्माण और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के बुनियादी ढांचे के विकास जैसे उभरते क्षेत्र भी इस उद्योग के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। क्रिसिल ने पिछले वित्त वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूंजीगत सामान उद्योग के लिए 12-14 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि को पक्का बताया है, जो इसकी मजबूती का संकेत है।

एसबीआई की बैंकिंग सेवाएं 25-26 मई को सामान्य रहेंगी

नई दिल्ली।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के कर्मचारियों की 25 और 26 मई को प्रस्तावित देशव्यापी हड़ताल को टाल दिया गया है। बैंक प्रबंधन और कर्मचारी संघों के प्रतिनिधियों के बीच हाल ही में हुई सकारात्मक बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया। इससे एसबीआई के 52 करोड़ ग्राहकों को बड़ी राहत मिली है और अब बैंक की सभी शाखाएं सामान्य रूप से खुली रहेंगी। अखिल भारतीय एसबीआई कर्मचारी मासंघ (एआईएसबीआईएसएफ) ने पर्याप्त कर्मचारियों की भर्ती, आउटसोर्सिंग रोकने, करियर प्रगति और चिकित्सा प्रतिपूर्ति में सुधार सहित 16 सूत्री विभिन्न मांगों को लेकर यह हड़ताल बुलाई थी। महासंघ के महासचिव एल चंद्रशेखर ने बताया कि प्रबंधन के साथ मुंबई में हुई बैठक काफी सकारात्मक रही, जिसमें उनकी कई प्रमुख मांगों पर प्रगति हुई है। इस फैसले से करोड़ों ग्राहकों को बड़ी राहत मिली है, क्योंकि हड़ताल होने पर चौथा शनिवार, रविवार और ईद अल-अजहा की छुट्टी के कारण लगातार पांच दिनों तक बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होतीं। बैंक ने पुष्टि की है कि 25 और 26 मई को सभी बैंकिंग सेवाएं सामान्य रूप से जारी रहेंगी।

आरबीआई ने सिटी यूनियन बैंक समेत 2 अन्य संस्थानों पर लगाया लाखों का जुर्माना

केंद्रीय बैंक ने कृषि ऋण शुल्क, केवाईसी अपलोडिंग और निदेशक नियुक्ति से संबंधित निर्देशों के पालन में कमी पाई

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामक निर्देशों का पालन न करने पर तीन वित्तीय संस्थाओं, सिटी यूनियन बैंक, मिंटिफी फिनसर्व और नेवा इन्वेस्टमेंट्स पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई वित्तीय प्रणाली में अनुशासन और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आरबीआई के एक बयान के अनुसार, सिटी यूनियन बैंक पर 10.10 लाख रुपये का सबसे बड़ा जुर्माना लगाया गया है। बैंक ने 25,000 रुपये तक के कुछ कृषि ऋणों पर अनावश्यक रूप से ऋण-संबंधी शुल्क लगाए थे और स्वयं सहायता समूह के सदस्यों से जुड़े डेटा को क्रेडिट सूचना कंपनियों को प्रस्तुत नहीं किया था। मिंटिफी फिनसर्व पर 3.10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। कंपनी ने कुछ ग्राहकों के केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) रिकॉर्ड को निर्धारित समय सीमा के भीतर केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री पर अपलोड नहीं किया था। इसके अतिरिक्त नेवा इन्वेस्टमेंट्स को 2.70 लाख रुपये का मौद्रिक दंड दिया गया। कंपनी ने निदेशकों की नियुक्ति करते समय आरबीआई से पूर्व लिखित अनुमति नहीं ली थी, जिसके परिणामस्वरूप उसके प्रबंधन में महत्वपूर्ण बदलाव आया, जिसमें स्वतंत्र निदेशकों को छोड़कर 30 प्रतिशत से अधिक निदेशकों में परिवर्तन शामिल था। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि ये जुर्माने केवल संबंधित नियमों के उल्लंघन के लिए लगाए गए हैं।

आरबीआई ने सरकार को 2.87 लाख करोड़ का रिकॉर्ड अधिशेष हस्तांतरित किया

यह पिछले साल के लाभांश से 7 फीसदी अधिक

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्र सरकार को 2.87 लाख करोड़ रुपए का रिकॉर्ड अधिशेष हस्तांतरित करने का फैसला किया है।

यह राशि पिछले साल के 2.69 लाख करोड़ रुपए के लाभांश से लगभग 7 प्रतिशत अधिक है।

केंद्रीय बैंक ने हालांकि आकस्मिक जोखिम बफर (सीआरबी) को बैलेंस शीट के 7.5 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत तक करने का निर्णय लिया है, पर उच्च जोखिम प्रावधानों के कारण अर्थशास्त्रियों ने इस हस्तांतरण को बाजार की उम्मीदों से थोड़ा कम बताया है। आरबीआई के सेंट्रल बोर्ड ने अपनी 623वीं बैठक में यह निर्णय लिया। इस रिकॉर्ड हस्तांतरण का एक प्रमुख कारण विदेशी मुद्रा भंडार की बिक्री से आरबीआई की आय में वृद्धि है। वित्त वर्ष 2026 में आरबीआई की बैलेंस शीट 20.61 प्रतिशत बढ़कर 91.97 लाख करोड़ रुपए हो गई, जिससे सकल आय में 26.42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। केंद्रीय बोर्ड ने वित्त वर्ष 2026 के लिए सीआरबी में 1.09 लाख करोड़ रुपए का बड़ा हस्तांतरण करने का भी निर्णय लिया, जो पिछले वित्त वर्ष के 44,861.70 करोड़ रुपए से काफी अधिक है।

संशोधित आर्थिक पूंजी ढांचा (ईसीएफ) सीआरबी को बैलेंस शीट के 4.5 प्रतिशत से 7.5 प्रतिशत के बीच बनाए रखने का लचीलापन प्रदान करता है। अर्थशास्त्रियों ने कहा कि सीआरबी अनुपात में कमी के बावजूद, उच्च प्रावधान आवश्यकताओं के कारण अधिशेष बाजार की उम्मीदों से थोड़ा कम रहा।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक अर्थशास्त्री ने कहा`` कि आरबीआई का अधिशेष हस्तांतरण बाजार अनुमान से इसलिए कम रहा क्योंकि प्रावधान उम्मीद से अधिक रहा।

विशेषज्ञों का मानना है कि उच्च सब्सिडी और कम कर संग्रह के कारण सरकार की राजकोषीय स्थिति पर दबाव बना रह सकता है।

उर्वरक और ईंधन सब्सिडी की उच्च आवश्यकता और कम कर संग्रह तथा तेल कंपनियों से कम लाभांश के कारण राजकोषीय दबाव बना रह सकता है।

हालांकि, इंडिया रेटिंग्स ऐंड रिसर्च के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि यह उच्च हस्तांतरण भू-राजनीतिक स्थिति के कारण राजकोषीय घाटे पर कुछ दबाव कम करेगा।

आभूषण बिक्री पर दोहरी मार, राजस्व बढ़ेगा पर मांग घटेगी

चालू वित्त वर्ष में बिक्री मात्रा 13-15 फीसदी घटने का अनुमान

नई दिल्ली।

सोने की बढ़ती कीमतों और हालिया आयात शुल्क वृद्धि का असर देश के संगठित स्वर्ण आभूषण खुदरा क्षेत्र पर साफ दिख रहा है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष में आभूषणों की बिक्री मात्रा के लिहाज से 13 से 15 प्रतिशत तक घट सकती है। हालांकि, सोने की ऊंची कीमतों के चलते प्रति यूनिट अधिक मूल्य मिलने से इस क्षेत्र का कुल राजस्व 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है।

इसके बावजूद, कंपनियों पर कार्यशील पूंजी और इन्वेंट्री लागत का दबाव बना रहेगा, हालांकि बेहतर नकदी प्रवाह से उनकी वित्तीय स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले वित्त वर्ष 24 में भी सोने के आभूषणों की बिक्री में लगभग 8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। भारत ने वित्त वर्ष 2024 में लगभग 720 टन सोने का आयात किया, जिससे लगभग 72 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा देश से बाहर गई। व्यापार घाटा नियंत्रित करने और रुपए को सहारा देने के उद्देश्य से सरकार ने हाल ही में सोने पर सीमा शुल्क 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। क्रिसिल के अनुसार, पिछले वर्ष वैश्विक अनिश्चितताओं और रुपये में कमजोरी के कारण घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में लगभग 55 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसका सीधा असर उपभोक्ता मांग पर पड़ा है।

उपभोक्ता अब हल्के वजन और कम कैरेट वाले आभूषणों की ओर अधिक रुख कर रहे हैं। पिछले दो वर्षों में निवेश के रूप में सोने की मांग तेजी से बढ़ी है, जहां सोने की छड़ और सिक्कों की बिक्री 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ी है, जबकि आभूषणों की मांग में करीब 25 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है।

` रिपोर्ट में कहा गया है कि आयात शुल्क में वृद्धि सोने की मांग पर बड़ा दबाव डाल सकती है और चालू वित्त वर्ष में कुल आभूषण बिक्री घटकर 620 से 640 टन तक रह सकती है, जो पिछले एक दशक का निचला स्तर होगा।

रजत पाटीदार ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, क्रिस गेल को पीछे छोड़ आईपीएल में रचा इतिहास

नई दिल्ली।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने इंडियन प्रीमियर लीग में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने आईपीएल करियर के 100 छक्के पूरे किए और इस मामले में टी20 क्रिकेट के दिग्गज क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया। पाटीदार ने यह उपलब्धि सिर्फ 933 गेंदों में हासिल की, जो किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज 100 छक्के लगाने का रिकॉर्ड है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले में रजत पाटीदार ने 56 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके और एक लंबा छक्का लगाया। इसी छक्के के साथ उन्होंने आईपीएल में 100 सिक्स पूरे किए। इससे पहले क्रिस गेल ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 943 गेंदों का सामना किया था। पाटीदार ने उनसे 10 गेंद कम लेकर यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। हालांकि आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के लगाने के मामले में पाटीदार अभी तीसरे स्थान पर हैं। इस सूची में वेस्टइंडीज के विस्फोटक ऑलराउंडर आंद्रे रसेल शीर्ष पर बने हुए हैं। रसेल ने सिर्फ 657 गेंदों में 100 छक्के पूरे कर दिए थे।

प्लेऑफ की उम्मीद बचाने उतरेगी केकेआर और दिल्ली, जीत के अलावा कोई विकल्प नहीं

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लीग चरण का आखिरी मुकाबला रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा रहने वाला है, क्योंकि प्लेऑफ की धुंधली उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए हर हाल में जीत जरूरी है। हालांकि यह भी संभव है कि मैच शुरू होने से पहले ही दोनों में से किसी एक टीम की उम्मीद पूरी तरह खत्म हो जाए। अंक तालिका में फिलहाल कोलकाता नाइट राइडर्स छठे स्थान पर है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स आठवें नंबर पर मौजूद है। दोनों टीमें अभी भी गणितीय रूप से प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई हैं, लेकिन उनकी राह बेहद मुश्किल नजर आ रही है। प्लेऑफ की चौथी सीट के लिए सबसे मजबूत दावेदार पंजाब किंग्स मानी जा रही है, जिसका मुकाबला शनिवार को लखनऊ सुपर जायंट्स से होना है। यदि पंजाब यह मैच जीत जाती है तो उसके 15 अंक हो जाएंगे और दिल्ली की उम्मीदें वहीं खत्म हो जाएंगी, क्योंकि वह अधिकतम 14 अंक तक ही पहुंच सकती है। कोलकाता नाइट राइडर्स के पास अभी 13 अंक हैं और वह दिल्ली को हराकर 15 अंकों तक पहुंच सकती है। लेकिन सिर्फ जीत काफी नहीं होगी। पंजाब किंग्स का नेट रन रेट कोलकाता से काफी बेहतर है। ऐसे में अगर पंजाब लखनऊ को मामूली अंतर से भी हरा देती है, तो कोलकाता को दिल्ली के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी पड़ेगी। आंकड़ों के अनुसार पंजाब की एक रन की जीत की स्थिति में कोलकाता को दिल्ली को कम से कम 52 रन से हराना होगा। इसके साथ ही उसे राजस्थान रॉयल्स की हार की भी उम्मीद करनी होगी। राजस्थान के 14 अंक हैं और मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत उसे सीधे प्लेऑफ में पहुंचा सकती है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने इस सीजन की खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की है। टीम ने अपने पिछले सात मुकाबलों में से छह में जीत दर्ज कर खुद को प्लेऑफ की दौड़ में बनाए रखा। शुरुआती दौर में टीम को अपने प्रमुख तेज गेंदबाजों की अनुपस्थिति का खामियाजा भुगतना पड़ा था। मुस्तफिजुर रहमान, हर्षित राणा, आकाश दीप और मथीशा पथिराना अलग-अलग कारणों से कई मुकाबलों में नहीं खेल सके। वहीं चोट से वापसी कर रहे कैमरन ग्रीन भी

शुरुआती मैचों में गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। हालांकि टीम को इस अहम मुकाबले में अपने सबसे सफल बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी की कमी खलेगी। उन्होंने इस सीजन में पांच अर्धशतकों की मदद से 422 रन बनाए हैं। इसके अलावा स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी चोट से जूझ रहे हैं और टीम प्रबंधन परिस्थितियों के अनुसार उनके खेलने पर फैसला करेगा। दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स ने पूरे सीजन में कई अहम मौके गंवाए, जिसका असर उसकी स्थिति पर पड़ा। टीम की बल्लेबाजी काफी हद तक केएल राहुल पर निर्भर रही है।

शानदार प्रदर्शन के बावजूद टॉप-2 में नहीं पहुंच सकी सनराइजर्स, डेनियल विटोरी ने बताई टीम की सबसे बड़ी ताकत

नई दिल्ली ।

सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में टीम के शानदार प्रदर्शन का श्रेय शीर्ष क्रम के विस्फोटक बल्लेबाजों और अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण को दिया है। हालांकि टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 55 रन की शानदार जीत के बावजूद नेट रन रेट के कारण अंक तालिका में शीर्ष दो में जगह नहीं बना सकी और तीसरे स्थान पर रही। अब सनराइजर्स को एलिमिनेटर मुकाबला खेलना होगा। मैच के बाद डेनियल विटोरी ने कहा कि टीम ने पूरे सीजन में बेहतरीन क्रिकेट खेली है और नौ जीत दर्ज करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि हर चीज हासिल करना संभव नहीं होता, लेकिन जिस तरह खिलाड़ियों ने प्रदर्शन किया, उससे टीम संतुष्ट है। विटोरी ने माना कि नेट रन रेट के कारण टीम थोड़ा पीछे रह गई, लेकिन इसके बावजूद खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा। सनराइजर्स हैदराबाद अब बुधवार को एलिमिनेटर मुकाबले में मैदान पर उतरेगी। प्लेऑफ से पहले विटोरी ने टीम के मध्यक्रम को लेकर चिंता भी जाहिर की। उन्होंने कहा कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने पूरे सीजन में इतनी शानदार बल्लेबाजी की कि मध्यक्रम को ज्यादा मौके ही नहीं मिले। ऐसे में बड़े मुकाबलों से पहले टीम इस पहलू पर ध्यान देगी ताकि जरूरत

पड़ने पर मध्यक्रम भी दबाव संभाल सके। विटोरी ने टीम के तेज गेंदबाजों की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि ईशान मलिंगा, पैट कमिंस और साकिब हुसैन की तिकड़ी ने टूर्नामेंट के दूसरे चरण में बड़ा अंतर पैदा किया। उनके अनुसार गेंदबाजों ने बल्लेबाजों का शानदार साथ दिया और यही वजह रही कि टीम लगातार जीत दर्ज करने में सफल रही। विटोरी ने कहा कि उनकी रणनीति हमेशा पांचवें और छठे गेंदबाज के विकल्प पर आधारित रहती है और यह टीम संतुलन के लिए बेहद अहम होता है। उन्होंने बताया कि पिच की परिस्थितियों को देखते हुए टीम ने इस मुकाबले में हर्षल पटेल को मौका दिया था, लेकिन टीम के पास प्रफुल्ल हिंगे और हर्ष दुबे जैसे विकल्प भी मौजूद हैं। विटोरी ने कहा कि पिछले 12 मैचों में से आठ में जीत दर्ज करना टीम के सामूहिक प्रदर्शन को दर्शाता है ।

गली क्रिकेट में गांगुली ने लगाया शतक

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने एक बार फिर अपने पुराने अंदाज से क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीत लिया है। 'प्रिंस ऑफ कोलकाता' और 'ऑफ साइड के भगवान' के नाम से मशहूर गांगुली ने करीब 14 साल बाद गली क्रिकेट में बल्ला थामा और धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए शानदार शतक जड़ दिया। सोशल मीडिया पर उनका यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। सौरव गांगुली ने साल 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। हालांकि इसके बाद वह कुछ समय तक इंडियन प्रीमियर लीग में खेलते रहे, लेकिन 2012 के बाद उन्होंने पूरी तरह पेशेवर क्रिकेट से दूरी बना ली थी। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद गांगुली लगातार प्रशासनिक भूमिकाओं में सक्रिय रहे और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष पद तक की जिम्मेदारी भी संभाली। लंबे समय बाद उन्हें बल्ले के साथ मैदान पर देखकर फैंस पुराने दिनों को याद करने लगे। हाल ही में खेले गए एक गली क्रिकेट मुकाबले में सौरव गांगुली ने अपनी क्लास और आक्रामकता दोनों का शानदार प्रदर्शन किया। वायरल वीडियो के मुताबिक उन्होंने सिर्फ 68 गेंदों में 132 रन की विस्फोटक पारी खेली। मैच के दौरान एक खास नियम बनाया गया था कि गांगुली को तीन बार आउट होने के बाद भी बल्लेबाजी जारी रखने की अनुमति होगी। लेकिन दादा ने अपने अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि उनके लिए एक मौका ही काफी है। हालांकि मैदान पर मौजूद खिलाड़ियों के आग्रह पर वह दो बार बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हो गए। इसके बाद गांगुली ने चौकों और छक्कों की झड़ी लगा दी और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। सौरव गांगुली का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर बेहद शानदार रहा है।

जैकब बेथल को इंग्लैंड लौटने की सलाह, माइकल वॉन बोले- अब राष्ट्रीय टीम को दें प्राथमिकता

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर जैकब बेथल के लिए अब तक उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा है। शानदार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन के बाद बड़े भरोसे के साथ आईपीएल में उतरे बेथल इस सीजन में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। इसी बीच इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने उन्हें टूर्नामेंट छोड़कर तुरंत स्वदेश लौटने की सलाह दी है। वॉन का मानना है कि चोट और प्लेइंग इलेवन में अनिश्चितता को देखते हुए अब उन्हें इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम को प्राथमिकता देनी चाहिए। जैकब बेथल ने इस सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए नौ मुकाबले खेले, लेकिन वह केवल 163 रन ही बना सके। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में संघर्षपूर्ण रहा। पंजाब किंग्स के खिलाफ 17 मई को खेले गए मुकाबले के बाद वह मैदान पर नजर नहीं आए। उंगली में लगी चोट के कारण वह सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 22 मई को खेले गए अहम लीग मुकाबले से भी बाहर रहे। बेथल की गैरमौजूदगी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करना पड़ा। टीम ने वेंकटेश अय्यर को विराट कोहली के साथ पारी की शुरुआत करने की जिम्मेदारी दी। वहीं टीम प्रबंधन प्लेऑफ मुकाबलों के लिए इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज फिल साल्ट की वापसी का इंतजार कर रहा है। कप्तान रजत पाटीदार भी उंगली की चोट से उबरने के बाद टीम में लौट आए हैं, जिससे बेथल की अंतिम एकादश में वापसी और भी मुश्किल नजर आ

रही है। इसी बीच इंग्लैंड को 4 जून से न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। माइकल वॉन का कहना है कि यदि जैकब बेथल आईपीएल के नॉकआउट मुकाबलों में खेलने की स्थिति में नहीं हैं तो उन्हें तुरंत इंग्लैंड लौटकर अपनी फिटनेस पर ध्यान देना चाहिए। वॉन ने कहा कि इंग्लैंड टीम प्रबंधन को यह जानना जरूरी है कि बेथल पूरी तरह फिट हैं या नहीं, ताकि टेस्ट सीरीज के लिए सही फैसला लिया जा सके। एक बातचीत में वॉन ने कहा कि अगर बेथल चोटिल हैं तो उन्हें अगली फ्लाइट पकड़कर इंग्लैंड लौट जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इंग्लैंड का ट्रेनिंग कैंप अगले सप्ताह शुरू होने वाला है और राष्ट्रीय टीम की तैयारियां ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। हालांकि वॉन ने माना कि आईपीएल का अनुभव युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद अहम होता है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में बेथल के लिए देश की जिम्मेदारी को प्राथमिकता देना ज्यादा उचित रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

सचिन तेंदुलकर ने साझा की बचपन की खास याद, बोले- ये बच्चे देश का भविष्य हैं

नई दिल्ली।

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के लिए 'एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स फॉर ऑल' यानी ईएसए पहल सिर्फ इंडियन प्रीमियर लीग से जुड़ा एक सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि एक बेहद भावनात्मक और व्यक्तिगत पहल है। मुंबई इंडियंस के वार्षिक ईएसए मैच से पहले सचिन ने अपने बचपन की एक खास याद साझा करते हुए बताया कि कैसे वानखेड़े स्टेडियम में बिताए गए कुछ पल आज भी उनके दिल में बसे हुए हैं। उनका मानना है कि इस बार मैच देखने आने वाले हजारों बच्चों के लिए भी यह अनुभव जीवनभर यादगार रहने वाला है। सचिन तेंदुलकर ने कहा कि वानखेड़े स्टेडियम में होने वाला ईएसए मैच हमेशा बेहद खास होता है। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों तक बड़े-बड़े मुकाबले खेलने के बाद खिलाड़ी विशाल भीड़ के सामने खेलने के आदी हो जाते हैं, लेकिन जब हजारों बच्चे स्टैंड में बैठकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हैं, तो वह अनुभव बिल्कुल अलग होता है। सचिन के अनुसार खिलाड़ियों के लिए भी यह बेहद भावुक और प्रेरणादायक माहौल होता है। रविवार को जब मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स की टीमें आमने-सामने होंगी, तब वानखेड़े स्टेडियम सिर्फ क्रिकेट का मैदान नहीं रहेगा, बल्कि बच्चों के सपनों और खुशियों का केंद्र बन जाएगा। रिलायंस फाउंडेशन की ईएसए पहल के तहत मुंबई, महाराष्ट्र और गुजरात के पिछड़े इलाकों, आदिवासी क्षेत्रों, गांवों और विशेष जरूरतों वाले स्कूलों से 20 हजार से ज्यादा बच्चों को मैच देखने के लिए लाया जाएगा। इस पहल की शुरुआत नीता अंबानी ने की थी, जिसका उद्देश्य शिक्षा और खेल के जरिए बच्चों को प्रेरित करना है। इस बार पहली बार नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड के 100 दृष्टिहीन बच्चे भी इस आयोजन का हिस्सा बनेंगे। वे अपने साथियों के साथ स्टेडियम में बैठकर मैच का अनुभव करेंगे। सचिन तेंदुलकर ने इस मौके पर 1983 की एक याद भी साझा की। उन्होंने बताया कि जब वेस्टइंडीज की दिग्गज टीम भारत दौरे पर आई थी, तब वह वानखेड़े स्टेडियम के नॉर्थ स्टैंड में बैठकर भारतीय टीम का समर्थन कर रहे थे। सचिन ने कहा कि वह अनुभव आज भी उनके दिल में ताजा है और उन्हें विश्वास है कि आज स्टेडियम में आने वाले बच्चों के साथ भी ऐसी ही यादें जीवनभर रहेंगी। सचिन तेंदुलकर ने कहा कि ये बच्चे देश का भविष्य हैं और आज यदि हम उनके लिए कुछ बेहतर कर सकते हैं, तो उसका सकारात्मक असर आने वाले समय में पूरे देश पर दिखाई देगा।

विराट कोहली और ट्रैविस हेड विवाद ने पकड़ा तूल, इंस्टाग्राम पोस्ट से बढ़ी चर्चा

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेले गए मुकाबले के बाद विराट कोहली और ट्रैविस हेड के बीच हुए विवाद ने क्रिकेट जगत में नई बहस छेड़ दी है। मैच खत्म होने के बाद विराट कोहली द्वारा ट्रैविस हेड से हाथ नहीं मिलाने की घटना सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इसी बीच ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड की एक इंस्टाग्राम स्टोरी ने इस विवाद को और चर्चा में ला दिया है। ट्रैविस हेड ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मैच के दौरान गेंदबाजी करते हुए अपनी एक तस्वीर साझा की। खास बात यह रही कि हेड आमतौर पर गेंदबाजी नहीं करते, लेकिन इस मुकाबले में उन्होंने गेंद हाथ में लिया और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार का विकेट भी हासिल किया।

प्लेऑफ की जंग से पहले केकेआर को बड़ा झटका, अंगकृष रघुवंशी आईपीएल 2026 से बाहर

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में शानदार वापसी कर प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा रखने वाली कोलकाता नाइट राइडर्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। फ्रेंचाइजी ने इसकी आधिकारिक जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। टीम के अनुसार मुंबई इंडियंस के खिलाफ 20 मई को खेले गए मुकाबले के दौरान कैच पकड़ने की कोशिश में रघुवंशी को सिर में चोट लगी थी। इसके साथ ही उनके बाएं हाथ की उंगली में फ्रैक्चर भी पाया गया, जिसके चलते वह आईपीएल 2026 के बाकी मुकाबलों में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने बयान में कहा कि टीम अंगकृष रघुवंशी के जल्द और पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना करती है। 21 वर्षीय युवा बल्लेबाज इस सीजन में टीम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। विकेटकीपिंग के साथ-साथ उन्होंने बल्ले से भी लगातार शानदार प्रदर्शन किया और कई अहम पारियां खेलीं। अंगकृष रघुवंशी ने आईपीएल 2026 में 13 मैचों की 12 पारियों में 422 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 42.20 और स्ट्राइक रेट 146.52 का रहा। उन्होंने पूरे सीजन में पांच अर्धशतक लगाए, जबकि उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 82 रन रहा। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और लगातार रन बनाने की क्षमता ने केकेआर को मुश्किल परिस्थितियों में कई बार संभाला। अब रघुवंशी की गैरमौजूदगी टीम के लिए सबसे अहम मुकाबले से पहले बड़ी चिंता बन गई है। कोलकाता नाइट राइडर्स का लीग चरण का आखिरी मुकाबला 24 मई को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेला जाएगा। प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए केकेआर को यह मैच हर हाल में जीतना होगा। ऐसे में टीम के सबसे फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज का बाहर होना बड़ा नुकसान माना जा रहा है। हालांकि कोलकाता नाइट राइडर्स ने इस सीजन में शानदार वापसी कर सभी को चौंकाया है। टीम ने शुरुआती छह मैचों में से पांच गंवा दिए थे और उसके खाते में सिर्फ एक अंक था। उस समय केकेआर

के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना बेहद कम मानी जा रही थी। लेकिन बाद के मुकाबलों में टीम ने दमदार प्रदर्शन किया और सात मैचों में लगातार जीत हासिल कर 12 अंक जुटाए। इस शानदार वापसी ने टीम को फिर से प्लेऑफ की दौड़ में ला खड़ा किया। अब कोलकाता को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत दर्ज करने के साथ-साथ अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा।

एक फेक न्यूज ने बदल दी आईपीएल खिलाड़ी की किस्मत, 6 साल बाद मिला इंसाफ

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग 2017 की नीलामी कई खिलाड़ियों के लिए सपनों को सच करने का मौका लेकर आई थी। उसी नीलामी में मध्यप्रदेश के बल्लेबाज हरप्रीत सिंह भाटिया भी शामिल थे, जिन पर कई फ्रेंचाइजी की नजर थी। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर उनसे बड़ी उम्मीदें की जा रही थीं, लेकिन नीलामी से ठीक पहले आई एक गलत खबर ने उनका पूरा करियर झकझोर कर रख दिया। एक फेक न्यूज और पहचान की गलती के कारण हरप्रीत सिंह भाटिया को ऐसा नुकसान उठाना पड़ा, जिसकी भरपाई होने में छह साल लग गए। दरअसल आईपीएल 2017 की नीलामी से पहले मुंबई में एक विवादित घटना सामने आई थी। पूर्व अंडर-19 क्रिकेटर हरमीत सिंह को अंधेरी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर कथित तौर पर कार चलाने के आरोप में हिरासत में लिया गया था। मामला गंभीर था और तेजी से चर्चा में आ गया। इसी दौरान एक बड़ी समाचार एजेंसी ने गलती से हरमीत सिंह की जगह हरप्रीत सिंह भाटिया का नाम और तस्वीर खबर में चला दी। यही गलती हरप्रीत के करियर पर भारी पड़ गई। उस समय हरप्रीत सिंह भाटिया शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाए थे और कई आईपीएल टीमें उन्हें खरीदने की तैयारी कर रही थीं। लेकिन आपराधिक मामले से जुड़ी इस गलत खबर के सामने आने के बाद फ्रेंचाइजियां सतर्क हो गईं। किसी भी टीम ने विवादों में घिरे खिलाड़ी पर दांव लगाने का जोखिम नहीं उठाया। नतीजा यह हुआ कि हरप्रीत सिंह भाटिया नीलामी में अनसोल्ड रह गए। बाद में समाचार एजेंसी ने अपनी गलती सुधारते हुए स्पष्टीकरण जारी किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। नीलामी समाप्त हो चुकी थी और हरप्रीत का पूरा सीजन बर्बाद हो गया। हालांकि इस बड़े झटके के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और घरेलू क्रिकेट में लगातार मेहनत करते रहे।

आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई और आईपीएल 2023 की नीलामी में पंजाब किंग्स ने उन्हें उनके बेस प्राइस पर टीम में शामिल किया। पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए हरप्रीत सिंह भाटिया ने खुद को साबित भी किया।

सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे जो रूट? इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली ।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है। 15,921 रनों का यह ऐतिहासिक आंकड़ा लंबे समय तक अटूट माना जाता रहा, लेकिन अब इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट इस रिकॉर्ड के बेहद करीब पहुंचते दिखाई दे रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर रूट ने क्रिकेट जगत में इस बहस को तेज कर दिया है कि क्या वह सचिन का यह महान रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे। जो रूट इस समय टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उनके नाम 13,943 रन दर्ज हैं और वह सचिन तेंदुलकर से सिर्फ 1,978 रन पीछे हैं। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए माना जा रहा है कि अगर रूट फिट रहते हैं और अगले दो साल तक इसी निरंतरता के साथ खेलते हैं, तो वह इस रिकॉर्ड तक पहुंच सकते हैं।

एटीपी राउंडअप- हैम्बर्ग ओपन के फाइनल में पहुंचे टॉमी पॉल, लर्नर टिएन ने भी बनाई खिताबी मुकाबले में जगह

हैम्बर्ग,

23 मई (आईएएनएस)। टॉमी पॉल ने जर्मनी में शुक्रवार को हुए सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर को 2-6, 6-3, 6-3 से हराकर हैम्बर्ग ओपन के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। छठी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी पहला सेट हारने और दूसरे में 3-0 से पिछड़ने के बाद सीधे सेटों में हारने की राह पर लग रहे थे। हालांकि, पॉल ने लगातार नौ गेम जीतकर मैच का रुख बदल दिया और आखिरी सेट पर कंट्रोल कर लिया। इस जीत के साथ ही 28 वर्षीय पॉल अपने 10वें एटीपी टूर-लेवल फाइनल और इस सीजन में क्ले कोर्ट पर दूसरे फाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले पिछले महीने ह्यूस्टन में उन्होंने खिताब जीता था। भले ही डी मिनौर ने 17 में से 13 ब्रेक पॉइंट बचाए, लेकिन उन्हें अपनी दूसरी सर्व में दिक्कत हुई, और वे उनमें से सिर्फ 44 प्रतिशत पॉइंट ही जीत पाए, क्योंकि पॉल ने बेसलाइन से उन्हें धीरे-धीरे थका दिया था। पॉल अब फाइनल में इग्नासियो बुसे से मुकाबला करेंगे। 22 साल के बुसे ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए लकी लूजर एलेक्जेंडर कोवासेविक को सिर्फ 64 मिनट में 6-1, 6-4 से हराया। बुसे 2007 में लुइस हॉर्ना के बाद एटीपी टूर-लेवल के फाइनल में पहुंचने वाले पेरू के पहले खिलाड़ी हैं। इस बीच, स्विट्जरलैंड में जिनेवा ओपन में अमेरिकी युवा लर्नर टिएन ने कजाकिस्तान के एलेक्जेंडर बुब्लिक को 6-1, 4-6, 7-6(5) से हराकर अपने करियर के

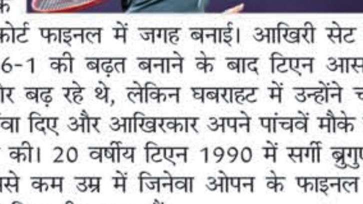

पहले क्ले-कोर्ट फाइनल में जगह बनाई। आखिरी सेट के टाईब्रेक में 6-1 की बढ़त बनाने के बाद टिएन आसान जीत की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन घबराहट में उन्होंने चार मैच पॉइंट गंवा दिए और आखिरकार अपने पांचवें मौके पर जीत हासिल की। 20 वर्षीय टिएन 1990 में सर्गी ब्रुगुएरा के बाद सबसे कम उम्र में जिनेवा ओपन के फाइनल में पहुंचने वाली खिलाड़ी बन गए हैं।

एआई आधारित क्रिकेट प्लेटफॉर्म काबुनी से जुड़े एबी डी विलियर्स

युवा खिलाड़ियों को मिलेगा विश्वस्तरीय मार्गदर्शन

नई दिल्ली ।

क्रिकेट ट्रेनिंग को नई दिशा देने वाले एआई आधारित स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म काबुनी ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज कप्तान एबी डी विलियर्स को अपना सुपर कोच नियुक्त किया है। एबी डी विलियर्स के जुड़ने को कंपनी ने अपने मिशन की बड़ी उपलब्धि बताया है। काबुनी का उद्देश्य आधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय क्रिकेट अनुभव को जोड़ते हुए हर स्तर के खिलाड़ियों तक बेहतरीन कोचिंग पहुंचाना है। एबी डी विलियर्स अब इस प्लेटफॉर्म पर पहले से जुड़े सौरव गांगुली और शेन वॉटसन जैसे दिग्गजों के साथ काम करेंगे। कंपनी का मानना है कि एबी डी विलियर्स के अनुभव और काबुनी की अत्याधुनिक तकनीक का मेल युवा खिलाड़ियों को क्रिकेट सीखने का बिल्कुल नया तरीका देगा। इस सहयोग के तहत भारत में 12 से 16 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए जून से एक राष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट भी शुरू किया जाएगा। इसमें हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को एबी डी विलियर्स की टीम के लिए खेलने का अवसर मिल सकेगा। इस पूरी प्रक्रिया में काबुनी की एआई तकनीक का उपयोग किया जाएगा। काबुनी का प्लेटफॉर्म पारंपरिक क्रिकेट नेट प्रैक्टिस से अलग काम करता है। यह खिलाड़ी की मूवमेंट, शॉट चयन और गेंद की दिशा को रियल टाइम में ट्रैक करता है और फिर उसे आसान तथा उपयोगी फीडबैक में बदल देता है। कंपनी का ÷1 प्रतिशत इम्प्रूवमेंट÷ मॉडल खिलाड़ियों की छोटी-छोटी गलतियों को पहचानकर उन्हें तुरंत सुधारने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य समय के साथ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में बड़ा और स्थायी सुधार लाना है।

मुरादाबाद में भीषण गर्मी से फटा गैस सिलेंडर, धमाके से दहल उठा इलाका, आस-पास के मकानों में आई दरारें

मुरादाबादः
उत्तर प्रदेश में जारी रिकॉर्ड तोड़ गर्मी अब हादसों का कारण बनने लगी है। मुरादाबाद के एक घनी आबादी वाले इलाके में अत्यधिक तापमान और हीटिंग के कारण एक मकान की तीसरी मंजिल पर रखा घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर अचानक जोरदार धमाके के साथ फट गया। धमाका इतना शक्तिशाली था कि तीसरी मंजिल की दीवारें ढह गईं और मलबे के साथ सिलेंडर के टुकड़े दूर तक जा गिरे। इस घटना के प्रभाव से आस-पास के कम से कम तीन से चार मकानों की दीवारों में गहरी दरारें आ गईं, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। गनीमत यह रही कि हादसा खुली छत/तीसरी मंजिल पर हुआ, जिससे किसी जनहानि की खबर नहीं है, लेकिन संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है।

यूपी में बड़े ओवरलोडिंग नेटवर्क का भंडाफोड़ : ट्रक से बरामद हुई यूपी-झारखंड की फर्जी नंबर प्लेटें, पुलिस हैरान

वाराणसी/बॉर्डरः
यूपी पुलिस और परिवहन विभाग ने चेकिंग के दौरान एक अंतरराज्यीय ओवरलोडिंग और फजीवाड़ा करने वाले बड़े रैकेट का पदार्फाश किया है। हाईवे पर संदिग्ध अवस्था में रोके गए एक ओवरलोडेड ट्रक की तलाशी के दौरान केबिन से उत्तर प्रदेश और झारखंड राज्यों की आधा दर्जन से अधिक फर्जी नंबर प्लेटें बरामद की गईं। जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क टोल टैक्स बचाने, पुलिस चेकिंग से बचने और ओवरलोडेड माल को बिना किसी रोक-टोक के एक राज्य से दूसरे राज्य में पास कराने के लिए अलग-अलग जिलों के बॉर्डर पर नंबर प्लेट्स बदल देता था। पुलिस ने ट्रक को सीज कर चालक और क्लीनर को गिरफ्तार कर लिया है और इस सिंडिकेट से जुड़े अन्य परिवहन माफियाओं की तलाश की जा रही है।

वाराणसी में कानून व्यवस्था की कार्रवाई : बच्ची के खरीद-फरोख्त मामले में पुलिस ने शुरू की जांच

वाराणसीः
वाराणसी जिले में रिश्तों और मानवता को प्रभावित करने वाली एक घटना सामने आई है, जहां एक महिला द्वारा अपनी ही 12 वर्षीय बेटी को चंदौली के एक व्यक्ति को बेचे जाने की खबर है। अमर उजाला की रिपोर्ट के अनुसार, इस सौदे में साड़ियों और रुपयों के लेन-देन की बात कही जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाई और मामले में तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा बच्ची की सुरक्षा सुनिश्चित करने और इस कृत्य में शामिल सभी दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाने की प्रक्रिया जारी है।

मेरठ और पश्चिमी यूपी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम : पुलिस का सघन चेकिंग अभियान जारी

मेरठः
पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ और इसके आसपास के क्षेत्रों में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए पुलिस प्रशासन अलर्ट पर है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शहर के प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।
अधिकारियों के निर्देशन में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की बारीकी से तलाशी ली जा रही

यूपी में बिजली संकट पर सीएम योगी सख्त, आपात बैठक में दो इंजीनियर सस्पेंड; शहरों को 24 और गांवों को 18 घंटे बिजली का आदेश

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी और आसमान से बरसती आग के बीच बिजली संकट को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। राज्य में गहराते इस संकट को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेहद सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। मुख्यमंत्री ने आज (24 मई 2026) राजधानी लखनऊ में बिजली विभाग के आला अधिकारियों, मंत्रियों और उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के शीर्ष प्रबंधन के साथ एक आपातकालीन समीक्षा बैठक बुलाई। इस उच्च स्तरीय बैठक में सीएम योगी का कड़ा रुख देखने को मिला। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि जनता को परेशानी में डालने वाली बिजली कटौती किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है।

वीआईपी कल्चर खत्म, सभी के लिए एक नियम

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि रोस्टिंग (कटौती) के नाम पर गरीब और ग्रामीण इलाकों को निशाना न बनाया जाए। बिजली की उपलब्धता का वितरण न्यायसंगत होना चाहिए। उन्होंने कहा कि "जब जनता भीषण गर्मी से त्रस्त है, तब एयरकंडीशनर कमरों में बैठकर झूठी रिपोर्ट भेजने वाले अधिकारियों पर मेरी सीधी नजर है।"

लापरवाही पर तुरंत एक्शनः 2 अधिशासी अभियंता सस्पेंड
बैठक शुरू होते ही मुख्यमंत्री ने जिलों से आ रही बिजली कटौती और फॉल्ट की शिकायतों की रिपोर्ट तलब की। जनता की समस्याओं को नजरअंदाज करने और ड्यूटी में ढिलाई बरतने के आरोप में सीएम योगी के निर्देश पर दो एग्जीक्यूटिव इंजीनियर्स (अधिशासी अभियंता) को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि जो अधिकारी संकट के इस समय में फील्ड पर मुस्तैद नहीं रह सकते, उन्हें पदों पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

बिजली आपूर्ति के लिए नया टाइम-टेबल लागू
भीषण हीटवेव को देखते हुए मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश के लिए बिजली आपूर्ति का नया और कड़ा शेड्यूल जारी करने का आदेश दिया है

शहरी क्षेत्रः महानगरों और जिला मुख्यालयों में 24 घंटे निर्बाध (बिना कटौती) बिजली दी जाएगी।

ग्रामीण क्षेत्रः गांवों और कस्बों में कम से कम 18 घंटे बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

शेड्यूल ऑफ-कटः यदि किसी तकनीकी खराबी के कारण कटौती अनिवार्य हो, तो उसकी जानकारी पहले से उपभोक्ताओं को दी जाए। रात के समय अघोषित कटौती पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

48 घंटे में ट्रांसफार्मर बदलने का अल्टीमेटमगर्मी के कारण ओवरलोडिंग से हर दिन सैकड़ों ट्रांसफार्मर फुंक रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने इसे लेकर सख्त समय-सीमा तय कर दी हैः
शहरी इलाकों में खराब या फुंके हुए ट्रांसफार्मर को हर हाल में 24 घंटे के भीतर बदला जाएगा। ग्रामीण इलाकों में इसके लिए अधिकतम 48 घंटे का समय दिया गया है। सभी जिलों के मुख्य अभियंताओं को बैकअप ट्रांसफार्मर का स्टॉक तैयार रखने का निर्देश दिया गया है ताकि रिप्लेसमेंट में देरी न हो।

कंट्रोल रूम और टोल-फ्री नंबर 24/7 एक्टिव
सीएम योगी ने निर्देश दिया है कि हर जिले में स्थापित बिजली कंट्रोल रूम चौबीसों घंटे (24x7) सक्रिय रहना चाहिए। उपभोक्ताओं द्वारा 1912 या स्थानीय हेल्पलाइन पर की जाने वाली शिकायतों पर क्या कार्रवाई हुई, इसकी मॉनिटरिंग खुद लखनऊ मुख्यालय से की जाएगी। अधिकारियों को फोन बंद न रखने और जनता की समस्याओं को संवेदनशीलता से सुनने की हिदायत दी गई है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का मुरादाबाद दौरा : जिला अस्पताल में औचक निरीक्षण से मचा हड़कंप, विकास कार्यों और हीटवेव की तैयारियों की समीक्षा

मुरादाबाद।
उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और सूबे के स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक आज (24 मई 2026) पीतल नगरी मुरादाबाद के दौरे पर रहे। अपने चिरपरिचित अंदाज में डिप्टी सीएम ने मुरादाबाद पहुंचते ही सबसे पहले जिला मलखान सिंह अस्पताल (जिला अस्पताल) का औचक निरीक्षण किया। उपमुख्यमंत्री की गाड़ी अचानक अस्पताल परिसर में रुकते ही वहां मौजूद डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों में हड़कंप मच गया।
ब्रजेश पाठक ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, इमरजेंसी सेवा, ओपीडी और दवा वितरण केंद्र का बारीकी से निरीक्षण किया और अधिकारियों को जमीनी स्तर पर सुधार करने के कड़े निर्देश दिए।

मरीजों के पास पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री, पूछा- "दवा बाहर से तो नहीं लिख रहे?"
निरीक्षण के दौरान डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक सीधे वार्डों में भर्ती मरीजों के पास पहुंचे और उनके बेड के पास बैठकर स्वास्थ्य का हालचाल जाना। उन्होंने मरीजों और उनके तीमारदारों से सीधा संवाद करते हुए पूछा कि उन्हें अस्पताल से मुफ्त दवाएं मिल रही हैं या नहीं, और डॉक्टर समय पर राउंड पर आ रहे हैं या नहीं।उन्होंने अस्पताल प्रशासन को दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि यदि किसी भी मरीज को बाहर से दवा खरीदने के लिए मजबूर किया गया, तो संबंधित डॉक्टर और अधिकारियों के खिलाफ तत्काल सस्पेंशन (निलंबन) की कार्रवाई की जाएगी।

यूपी में बड़े ओवरलोडिंग नेटवर्क का भंडाफोड़ : ट्रक से बरामद हुई यूपी-झारखंड की फर्जी नंबर प्लेटें, पुलिस हैरान

वाराणसी/बॉर्डरः
यूपी पुलिस और परिवहन विभाग ने चेकिंग के दौरान एक अंतरराज्यीय ओवरलोडिंग और फजीवाड़ा करने वाले बड़े रैकेट का पदार्फाश किया है। हाईवे पर संदिग्ध अवस्था में रोके गए एक ओवरलोडेड ट्रक की तलाशी के दौरान केबिन से उत्तर प्रदेश और झारखंड राज्यों की आधा दर्जन से अधिक फर्जी नंबर प्लेटें बरामद की गईं। जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क टोल टैक्स बचाने, पुलिस चेकिंग से बचने और ओवरलोडेड माल को बिना किसी रोक-टोक के एक राज्य से दूसरे राज्य में पास कराने के लिए अलग-अलग जिलों के बॉर्डर पर नंबर प्लेट्स बदल देता था। पुलिस ने ट्रक को सीज कर चालक और क्लीनर को गिरफ्तार कर लिया है और इस सिंडिकेट से जुड़े अन्य परिवहन माफियाओं की तलाश की जा रही है।

अमेरिकी विदेशमंत्री कल आगरा में करेंगे ताजमहल का दीदार

आगरा ।अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रूबियो सोमवार को ताजमहल का दीदार करेंगे। वह सोमवार को विशेष वायुयान से आगरा पहुंचेंगे। रूबियो भारत की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। वह शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सेवा तीर्थ में मुलाकात कर चुके हैं।
अमेरिकी विदेशमंत्री का भारत दौरा पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव एवं वैश्विक घटनाक्रमों के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बताया गया है कि रूबियो सोमवार को वायुसेना के खेरिया स्थिति एयरपोर्ट पर सुबह करीब 9:30 बजे पहुंचेंगे। इसके बाद सीधे यहां से ताजमहल जाएंगे।ताजमहल में सुबह करीब 10:05 बजे से 11:05 बजे तक उनके रुकने का कार्यक्रम है।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला: अधिकारों का दुरुपयोग करने पर लखनऊ DM और ADM पर लगा 20-20 हजार का व्यक्तिगत जुर्माना

लखनऊ।
इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश की नौकरशाही को बड़ा झटका देते हुए लखनऊ के जिलाधिकारी (DM) और अपर जिलाधिकारी पर 20-20 हजार रुपये का व्यक्तिगत जुमार्ना लगाया है। अदालत ने यह सख्त कार्रवाई प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि अधिकारियों द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर मनमाने ढंग से काम करने और एक नागरिक को अनावश्यक परेशान करने के कारण की है।दैनिक जागरण की रिपोर्ट के अनुसार, न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने यह आदेश 'निवास कालोनाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड' की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया और अधिकारियों के इस रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई।

क्या है पूरा मामला?
यह पूरा विवाद एक निजी जमीन की खरीद-बिक्री और उस पर हो रहे निर्माण कार्य से जुड़ा हुआ हैः

गैर-संबंधित व्यक्ति की शिकायतः आर. पी. सिंह नाम के एक अधिवक्ता, जिनका उस विवादित भूमि से दूर-दूर तक कोई कानूनी संबंध नहीं था, उन्होंने कंपनी को एक नोटिस भेजा। इसके बाद उन्होंने सीधे लखनऊ के जिलाधिकारी (DM) के पास शिकायत दर्ज करा दी कि जमीन का हस्तांतरण अवैध है।

नियमों को ताक पर रखाः लखनऊ डीएम ने नियमों की जांच किए बिना इस शिकायत को सीधे दर्ज किया और कार्रवाई के लिए एडीएम (न्यायिक) को ट्रांसफर कर दिया।

बिना जांच के रोक लगाईः एडीएम (न्यायिक) ने भी मामले की गहराई में जाए बिना और बिना किसी ठोस पारित कर दिया।

हाईकोर्ट के निर्देश के बाद महापौर ने सपा पार्षद ललित किशोर तिवारी को दिलाई शपथ

लखनऊ।
लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने रविवार को नगर निगम मुख्यालय में फैजुल्लागंज वार्ड से ललित किशोर तिवारी को पार्षद पद की शपथ दिलाई। हाईकोर्ट से केस जीतने के बाद महापौर सुषमा खर्कवाल ने सपा पार्षद ललित किशोर तिवारी को शपथ दिलाई।

इस अवसर पर नगर आयुक्त गौरव कुमार व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ललित किशोर तिवारी को शपथ ना दिलाने के कारण लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल के सभी वित्तीय अधिकार सीज कर दिए थे। इसके बाद रविवार को मेयर ने सपा पार्षद को शपथ दिलाई।
निकाय चुनाव 2023 में सपा प्रत्याशी ललित किशोर तिवारी भाजपा के प्रत्याशी प्रदीप शुक्ला से चुनाव हार गए थे। प्रदीप शुक्ला ने हलफनामे में अपनी दूसरी शादी की बात छुपाई थी। कोर्ट में हलफनामे को चुनौती दी गई। अंततः कोर्ट ने प्रदीप शुक्ला का निर्वाचन रद्द कर दिया और ललित को पार्षद घोषित करने का आदेश दे दिया। पार्षद ललित किशोर तिवारी ने हाईकोर्ट का आभार जताते हुए कहा कि हमें न्याय मिला है। जनता की समस्याओं को उठाने का प्रयास करूंगा।

संरक्षकः संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादकः
रिजवान सैफ खान
सह सपांदकः मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादकः राम सिंह यादव
उक्त सभी पद अवैतनिक है

मुरादाबाद में भीषण गर्मी से फटा गैस सिलेंडर, धमाके से दहल उठा इलाका, आस-पास के मकानों में आई दरारें

मुरादाबादः
उत्तर प्रदेश में जारी रिकॉर्ड तोड़ गर्मी अब हादसों का कारण बनने लगी है। मुरादाबाद के एक घनी आबादी वाले इलाके में अत्यधिक तापमान और हीटिंग के कारण एक मकान की तीसरी मंजिल पर रखा घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर अचानक जोरदार धमाके के साथ फट गया। धमाका इतना शक्तिशाली था कि तीसरी मंजिल की दीवारें ढह गईं और मलबे के साथ सिलेंडर के टुकड़े दूर तक जा गिरे। इस घटना के प्रभाव से आस-पास के कम से कम तीन से चार मकानों की दीवारों में गहरी दरारें आ गईं, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुद्दीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी